बेंगलूरु, गुरुवार 13 मार्च 2025 ▪ फाल्गुन शुक्ल - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 227 ▪ बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

।।ॐ ह्रीँ श्रीँ अर्हम् श्री केसरिया आदिनाथाय नमः।।

।। श्री शीतलनाथाय नमः।। ।। श्री जीरावला पार्श्वनाथाय नमः।। ।। श्री चन्द्रप्रभस्वामिने नमः।।

दक्षिण भारत श्री बेंगलोर नगरे शंकरपुरम् मध्ये

श्री केसरिया आदिनाथजी प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथजी प्रतिष्ठा निमित्ते

नवाह्निका महोत्सव

नवाह्निका महोत्सव : फागण सुदि १० से चैत्र वदि ३, रविवार, दि. 09-03-2025 से सोमवार, दि. 17-03-2025

पावनकारी सानिध्य: सम्यग् ज्ञान पिपासु प.पू. आचार्यदेवश्री रत्नशेखरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न मरुधर रत्न आचार्य श्री रत्नाकरसूरीश्वरजी म.सा., श्रुतोपासक आचार्य श्री रत्नसंयम सूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा ५

सकल श्री जैन संघ को भावभरा हार्दिक आमंत्रण

चतुर्थ दिवस : फागण सुदि १४, गुरुवार, दि. 13-03-2025

सुबह 7-30 बजे : सुबह का नाश्ता, सुबह 10-00 बजे : .प्रियंवदा दासी द्वारा जन्म बधाई, भुआ-भुरोसा द्वारा नामकरण, परमात्मा जन्माभिषेक के बाद परमात्मा पाठशाला जायेंगे (8 वर्ष एवं उससे कम वर्ष के बच्चों को भगवान के साथ पाठशाला जाने का सुनहरा अवसर) आदि स्टेज प्रोग्राम (बेंगलोर में प्रथम बार पूरा च्यवन कल्याणक कार्यक्रम डिजीटल एवं टेक्नलॉजी के साथ प्रस्तुत)
दोपहर 2-30 बजे: श्री सर्व देव-देवी पूजन (मंदिरजी में), सुबह 11-00 से 1-30 बजे तक: सुबह की नवकारसी,
सायं: 4.30 से 6-00 बजे तक - सायं नवकारसी, सायं: 6.00 बजे - नियोजित लाभार्थी परिवारों का अयोध्या नगरी में बहुमान,
सायं : 7.00 बजे - भव्य भक्ति संध्या - श्री जैनम वारिया एवं श्री पारस गढा

चतुर्थ दिवस : फागण सुदि १५, शुक्रवार, दि. 14-03-2025 प्रतिष्ठा के चढावों की मुख्य जाजम

सुबह 7-30 बजे : सुबह का नाश्ता, सुबह 8-30 बजे : जाजम बिछाने का विधि विधान, सुबह : 9-25 बजे : प्रतिष्ठा के मुख्य चढावे प्रारंभ, सुबह 11-00 से 1-30 बजे तक: सुबह की नवकारसी, दोपहर 2-00 बजे : मामेरा, विवाह, राज्याभिषेक, नव लोकांतिक देवों द्वारा दीक्षा हेतु विनंती आदि स्टेज प्रोग्राम (बेंगलोर में प्रथम बार पूरा च्यवन कल्याणक कार्यक्रम डिजीटल एवं टेक्नलॉजी के साथ प्रस्तुत) सायं : 4.30 से 6-00 बजे तक - सायं नवकारसी, सायं : 6.00 बजे - नियोजित लाभार्थी परिवारों का अयोध्या नगरी में बहुमान, सायं: 7.00 बजे - भव्य भक्ति संध्या सहित ध्वजा वधाने का कार्यक्रम

शुभ मुहूर्त्ते सुबह 9-25 बजे प्रतिष्ठा की मुख्य जाजम स्थलः अयोध्या नगरी

-:::::चढावों की विगत::::-

श्री केसरिया आदिनाथ भगवान बिराजमान, श्री मंदिरजी की अमरध्वजा, श्री प्राचीन आदिनाथ भगवान बिराजमान, श्री जीरावला पार्श्वनाथ भगवान बिराजमान श्री चन्द्रप्रभु स्वामी बिराजमान, श्री शीतलनाथ प्रभु बिराजमान, श्री नाकोडा भैरवजी बिराजमान, श्री मणीभद्रवीर बिराजमान श्री पद्मावती देवी बिराजमान, श्री अंबिकादेवी बिराजमान,मंगमलूर्ति, 1, मंगलमूर्ति 2, मंगलमूर्ति 3 बिराजमान, मुख्य इंडा-कलश, कलश 1, कलश 2, कलश 3
अन्य चढावें: 1. अंजन घोटना एवं वहोराना, 2. रेश्मी वस्त्र वोहराने का 3. घी पात्र दर्शन 4. कुंकु थापा, 5. थाली डंका, घंटनाद, 6. एक लाख अक्षत साथीया एवं माणिक लड्डू 7. गुप्त भंडार भरने का 8. प्रथम भंडार भरने का... 9. गुरु पूजन, 10.कांबली वहोराने का आदि चढावे बोले जायेंगे । स्थलः श्री अयोध्या नगरी

सुबह का नाश्ता

स्व. श्रीमती सायरदेवी मोहनलालजी खाँटेड़ के दिव्य आशीष से
स्व. श्रीमती सूरजदेवी स्व.श्री अशोककुमारजी खांटेड़ की स्मृति में
पुत्र-पुत्रवधु: राहुलजी - निकिता, पौत्र-पौत्री: सोनित, शनाया खाँटेड़
पुत्री-जंवाई: एकता - हेमंतजी झामड, दोहित्री: घिया, धीरा झामड़
पारसमलजी, प्रकाशचंदजी, विमलकुमारजी, राजेन्द्रकुमारजी,
राकेशकुमारजी, जितेन्द्रकुमारजी, प्रमोद, दीपक, ध्रुव, अभिनव, आदित्य,
समर्थ, युवराज एवं समस्त खांटेड़ परिवार (मरुधर - खैरवा), गाँधीधाम
फर्म: सूरज क्लॉथींग, बेंगलोर

सुबह की नवकारसी

स्व. श्रीमती दाकुबाई स्व. चौथमलजी के दिव्य आशीष से
पुत्र-पुत्रवधु: शांतिबाई - स्व. बाबुलालजी, तुलसीबाई - स्व. केवलचंदजी
जयंतीबाई - रतनचंदजी, ललिताबाई - गौतमचंदजी,
भाग्यवंतीबाई - प्रकाशचंदजी, रेखाबाई - निर्मलकुमारजी,
पौत्र-पौत्रवधु: रेखाबाई - राकेशकुमारजी, संगीताबाई - मुकेशकुमारजी
शर्मिलाबाई - भरतकुमारजी, पड़पौत्र: दीमन, विनीत, पड़पौत्री: प्राची, ध्रुवी
एवं समस्त सुंदेशा मुथा परिवार, (मरुधर में जयंतसिंहजी का गुडा)
फर्म: मेहता ज्वेल्स एम्पोरियम्, बेंगलोर

शाम की नवकारसी

पूज्य मातुश्री श्रीमती झणकारीबाई पिताश्री मिश्रीमलजी
पंचाणुसा बोहरा के दिव्य आशीष से
भ्राता: प्यारेलालजी, राजमलजी, प्रकाशचंदजी, कानमलजी, अशोककुमारजी,
भतीज: भेरुलाल, राकेश, अरविंद, अंकित, सुनील, अक्षय, रितिक
पुत्र-पुत्रवधु: मदनराजजी - दमयंतीदेवी, पौत्र-पौत्रवधु: मनिष - रीना,
कुशल - दिपीका, पड़पौत्र: आरव, तविष,
पड़पौत्री: भाविशा, पुत्री-जमाई: सोनल-दर्शनजी गुलेच्छा
फर्म: बोहरा क्लॉथींग प्रा.लि, बेंगलोर

स्टेज प्रोग्राम-भक्ति भावना	भरत चक्रवर्ति भोजन मंडप	मंदिरजी	भक्ति भावना
श्री अयोध्या नगरी, किम्स हॉस्पीटल के सामने, बेंगलोर	मराठा हॉस्टल, बुल टेंपल रोड़, चामराजपेट, बेंगलोर	श्री आदिनाथ मंदिर, रंगरॉव रोड़, शंकरपुरम, बेंगलोर	विपीन पोरवाल

सकल श्री जैन संघ से नम्र निवेदन है कि आप सपरिवार इस प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारकर जिनशासन की शोभा बढावे

विशेष: बहुत ही सुंदर भोजन व्यवस्था के साथ भक्त समूह ज्यादा होने पर सब की सुविधा हेतु वेटिंग के लिए अलग-अलग कलर बेल्ट की व्यवस्था रखी गई है । आपसे निवेदन है कि इस व्यवस्था में पूरा सहयोग प्रदान करें ।

निमंत्रक: श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम, बेंगलोर

धार्मिक, आध्यात्मिक श्रद्धा और भक्ति के प्रमुख केंद्र होते हैं तीर्थ : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी अपने शिष्यों के साथ नेलमंगला के पास स्थित आदि संस्कार धाम पहुंचे। यहां प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव का कलात्मक जिनालय है। मौर्य सम्राट संप्रति द्वारा निर्मित की गई और राजस्थान के चामुंडेश्वरी से लाई गई करीब 23 सौ वर्ष प्राचीन प्रतिमा यहां स्थापित की गई है। फाल्गुन त्रयोदशी के उपलक्ष्य में यहां जैनाचार्य के सान्निध्य में दिनभर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने जिनालय में पूजा-अर्चना, चैत्यवंदन, मंत्रजाप आदि द्वारा आदिनाथ ऋषभदेव की भावयात्रा की।

आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि गुजरात स्थित पालीताना-शत्रुंजय गिरी जैनधर्म का सर्वाधिक प्राचीन और सबसे बड़ा तीर्थस्थल है। इस तीर्थ की ऐतिहासिक परिक्रमा को फागण की फेरी कहा जाता है। जैसे वैदिक परंपरा में महाकुंभ होता है, वैसे ही तीर्थंकर नेमिनाथ और वासुदेव श्रीकृष्ण के जमाने से जैन परंपरा में प्रतिवर्ष फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी को फागण की फेरी होती है। करीब अठ्ठारह किलोमीटर की इस परिक्रमा के लिए प्रतिवर्ष लाखों जैन श्रद्धालु पालीताना पहुंचते हैं। बुधवार को पालीताना में लाखों भक्तों ने फागण की फेरी (परिक्रमा) कर प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव की प्रार्थना, मंत्रजाप और ध्यान के द्वारा साधना की।

इस अवसर पर आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि तीर्थ मनुष्य की धार्मिक-आध्यात्मिक श्रद्धा और भक्ति के प्रमुख केंद्र होते हैं। हर धर्म परंपरा में तीर्थयात्रा का अत्यधिक महत्व है। जैसे बद्री-केदार, काशी, मथुरा आदि वैदिक परंपरा के, पालीताना, गिरनार, सम्मेतशिखर आदि जैनधर्म के, जेरुसलम ईसाई और यहूदी धर्म का, बोधगया बौद्ध धर्म का, स्वर्णमंदिर सिख धर्म का और मक्का, मदीना आदि इस्लाम परंपरा के तीर्थस्थल हैं। इन तीर्थस्थलों की माटी और वहां के परमाणु अत्यंत पवित्र होते हैं। वे साधक को साधना द्वारा साध्य की सिद्धि तक पहुंचाते हैं। तीर्थस्थानों में मनुष्य की मनःस्थिति सरल, शांत, सही और निर्मल होती है। इससे उसको आशातीत शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

फैशन, ज्वेलरी और खास कलेक्शन के साथ आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

15 मार्च को होगा आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी अपना 'स्प्रिंग समर' संस्करण लेकर आ रही है। इसका आगाज 15 मार्च को द ललित अशोक में होगा। यह आयोजन 17 मार्च तक जारी रहेगा।

इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। आयोजकों ने बताया कि हाई लाइफ प्रदर्शनी डिज़ाइनर फैशन, स्टेटमेंट ज्वेलरी, लग्जरी होम डेकोर और खास कलेक्शन के साथ आ रही है। यहां खूबसूरत परिधानों से लेकर ट्रेंडसेटिंग एक्सेसरीज़ तक, रचनात्मकता और शिल्प कौशल की दुनिया एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध होंगे।

डिजिटल अरेस्ट, साइबर अपराध 2022-24 के दौरान तीन गुना बढ़े : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि 2022 से 2024 के बीच देश में डिजिटल अरेस्ट और संबंधित साइबर अपराध के मामलों की संख्या लगभग तीन गुना हो गई और इस अवधि के दौरान धोखाधड़ी के जरिये निकाली गई राशि में 21 गुना की वृद्धि हुई।

गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा में कहा कि राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर 3 साल के डिजिटल अरेस्ट घोटालों के अद्यतन आंकड़े और संबंधित साइबर अपराध के मामलों के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में 39,925 घटनाओं की सूचना मिली जिनमें धोखाधड़ी के जरिये 91.14 करोड़ रु. निकाले गए थे। 2024 में, इस तरह के मामलों की संख्या 1,23,672 हो गई, जिनमें धोखे से निकाली गई राशि 21 गुना बढ़कर 19,35.51 करोड़ रुपए हो गई। आंकड़ों के अनुसार, 2025 के शुरुआती दो महीनों के भीतर, 8 फरवरी तक डिजिटल अरेस्ट, साइबर अपराध के 17,718 मामलों की सूचना मिली जिसमें 210.21 करोड़ रुपए निकाले गए।

कुमार ने बताया ''इस पोर्टल पर साइबर क्राइम की घटनाओं की सूचना दी गई जिन्हें प्राथमिकी में तब्दील किया गया और संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उनकी जांच शुरु की।'' केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा स्थापित 'इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर' (आई4सी) ने ऐसे अपराध में इस्तेमाल किए गए 3,962 'स्काइप आईडी' और 83,668 व्हाट्सएप खातों की पहचान कर उन्हें अवरुद्ध (ब्लॉक) कर दिया है। वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल सूचना देने व साइबर अपराधियों द्वारा धोखे से रकम निकाले जाने पर रोक के लिए 2021 में आई4सी के तहत नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली (द सिटिजन फायनेन्शियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम) की शुरुआत की गई थी।

केंद्रीय हिंदी संस्थान मैसूरु में राष्ट्रीय भाषाओं पर संगोष्ठी आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। केंद्रीय हिंदी संस्थान के मैसूर केंद्र द्वारा बुधवार को 'भारतीय भाषाओं में अकादमिक अनुवाद की स्थिति एवं संभावनाएँ' विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित थी। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील बाबूराव कुलकर्णी ने अध्यक्षता की।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रणजीत भारती ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने संगोष्ठी के महत्व पर प्रकाश डाला और भारतीय भाषाओं में अनुवाद की आवश्यकता एवं संभावनाओं पर चर्चा की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नाटक विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. टीआर भट्ट ने विचार साझा किए।

मुख्य वक्ता के रूप में कवयित्री और लेखिका प्रो. उषारानी राव ने भारतीय भाषाओं के अनुवाद में आने वाली चुनौतियों और इसके महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। सहायक अध्यापक डॉ. मोहन टी ने धन्यवाद दिया।

सोना तस्करी मामला : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने भाजपा से 'संबंध' और 'साजिश' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी मामले के तार सरकार के दो मंत्रियों से जुड़े होने वाली खबरों को महज 'अटकलें' करार दिया और सबूतों की मांग करते हुए आरोप लगाया कि इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'साजिश' है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सोने की तस्करी मामले से कांग्रेस का कोई संबंध नहीं है और सरकार का कोई भी मंत्री इसमें शामिल नहीं है। शिवकुमार ने कहा कि इस मामले में भाजपा का संबंध हो सकता है।

शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा, यह सिर्फ बेफिजूल की अटकलें हैं। किस मंत्री का नाम सामने आया है? क्या किसी ने देखा या सुना है? जब हम राजनेता शादियों या समारोहों में जाते हैं, तो सैकड़ों लोग हमारे साथ तस्वीरें लेते हैं। सिर्फ इसलिए कि कोई मेरे साथ तस्वीर लेता है, क्या इसका मतलब यह है कि वह मुझसे जुड़ा हुआ है? उन्होंने पत्रकारों से कहा, अगर कोई व्यक्ति किसी शादी या समारोह में मेरे या मुख्यमंत्री के साथ फोटो खिंचवाता है और बाद में किसी अपराध में शामिल हो जाता है, तो क्या इसका मतलब यह है कि हम उनका समर्थन कर रहे हैं? उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्पष्ट रूप से बताएं कि इसमें कौन शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर इस बारे में कोई सबूत है कि कौन सा मंत्री शामिल है या किसने उनका समर्थन किया है, तो कृपया उपलब्ध कराएं।

शिवकुमार ने कहा कि कोई भी मंत्री ऐसे अपराध का समर्थन नहीं करेगा और यह मेरा स्पष्ट रुख है। विपक्षी दल भाजपा ने मीडिया में प्रकाशित खबरों का हवाला देते हुए कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से सोने की तस्करी मामले में कथित रूप से शामिल मंत्रियों के नामों का खुलासा करने का आग्रह किया है। भाजपा ने कांग्रेस की कर्नाटक इकाई को संलग्न करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, क्या आप बताएंगे कि सोने की तस्करी करने वाली रान्या से कौन से मंत्री जुड़े हैं?

पोस्ट में सिद्दरामय्या और गृह मंत्री जी परमेश्वर, रान्या राव और उनके परिवार के साथ एक तस्वीर शामिल थी, जो संभवतः रान्या की शादी के दौरान ली गई थी। शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा, भाजपा से संबंध हो सकता है, लेकिन कांग्रेस से नहीं। इससे किसी का कुछ लेना-देना नहीं है। कोई भी मंत्री ऐसे घोटालों में शामिल नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें प्रोटोकॉल उल्लंघन में अधिकारियों की संलिप्तता की जांच भी शामिल है।

'आप' ने भाजपा के खिलाफ आईटीओ पर किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) नेता ऋतुराज झा ने दिल्ली में आईटीओ पर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिलाओं को 2,500 रुपए देने और होली तक मुफ्त गैस सिलेंडर वितरित करने के अपने चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम साबित हुई है।

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने आठ मार्च को पात्र महिलाओं को 2,500 रुपए की मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 'महिला समृद्धि योजना' को मंजूरी दी थी और योजना के कार्यान्वयन के लिए 5,100 करोड़ रुपए आवंटित किए थे।

'आप' ने आरोप लगाया कि भाजपा कल्याणकारी योजनाओं को अपनी समयसीमा में लागू करने में नाकाम रही है। किराड़ी से पूर्व विधायक झा ने सिलेंडर को अपने सिर पर रख प्रदर्शन किया और कहा, ''दिल्ली की महिलाओं को आठ मार्च को 2,500 रुपए और होली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा किया गया था। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी ने दोनों ही वादे पूरे नहीं किए।''

गैस सिलेंडर के आकार की तख्ती हाथ में लिये प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे ''फ्री का सिलेंडर कब आएगा? 2,500 रुपए कब आएंगे?'' एक प्रदर्शनकारी सीमा ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''हमें आठ मार्च को 2,500 रुपए देने का वादा किया गया था, लेकिन चार दिन बीत चुके हैं। हमें पैसे कब मिलेंगे या यह सिर्फ एक झूठा वादा था?'' एक अन्य प्रदर्शनकारी सुरेन्द्र ने कहा, ''होली में बस एक दिन बचा है और हमें अभी तक मुफ्त सिलेंडर नहीं मिला है।''

श्याम निशान यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के 'श्री निस्वार्थ श्याम परिवार' द्वारा फाल्गुन एकादशी के अवसर पर बन्नरघट्टा रोड स्थित मुकाम्बिका मंदिर से खाटू श्याम मन्दिर तक पैदल यात्रा कर श्रद्धालुओं ने 701 निशान बाबा को अर्पण किए। निशान यात्रा के पहले मंदिर में श्रद्धालुओं ने सभी निशानों की पूजा कर अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की तथा भजनों के साथ नाचते झूमते पैदल निशान यात्रा में भाग लिया। सभी श्रद्धालुओं ने श्याम के जयघोष के साथ रंग गुलाल व फूलों से होली खेली।

नेताओं को सांप्रदायिक विवाद पैदा करने वाले बयान देने से बचना चाहिए : अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने कैबिनेट सहयोगी नितेश राणे द्वारा मुसलमानों के संबंध में दिए गए बयान को ''भ्रामक'' करार दिया और राज्य के नेताओं को संयम बरतने की सलाह दी।

भाजपा के नेता नितेश राणे ने हाल में बयान दिया था कि मुसलमान छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना का हिस्सा नहीं थे। जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख पवार से राणे की इस टिप्पणी के संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि नेताओं को यह ध्यान में रखना चाहिए कि उनके द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए बयानों से सांप्रदायिक तनाव पैदा न हो। पवार ने कराड में कांग्रेस के दिवंगत नेता और राज्य के पहले मुख्यमंत्री

यशवंतराव चव्हाण की जयंती पर उनकी समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि राजनीति में पक्ष या विपक्ष के ''कुछ नेता कभी-कभी ऐसे बयान दे देते हैं जो महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए हानिकारक होते हैं। अतीत में, राज्य के नेताओं ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने का प्रयास किया है और यह सुनिश्चित किया है कि विभिन्न समुदाय साथ मिलकर शांतिपूर्वक रह सकें।'' अजित पवार ने कहा कि एक संप्रभु राज्य की स्थापना करते समय शिवाजी महाराज ने कभी भी जाति या पंथ के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया।

संसद ने तेलक्षेत्र संशोधन विधेयक को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने बुधवार को खनिज तेल उत्खनन के लिए 'सिंगल परमिट' प्रणाली लाने और समग्र ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लक्ष्य वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान की। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा और फिर केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के जवाब के बाद सदन ने 'तेलक्षेत्र (विनियमन तथा विकास) संशोधन विधेयक, 2024' को ध्वनिमत से मंजूरी दी।

राज्यसभा इस विधेयक को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। चर्चा का जवाब देते हुए पुरी ने कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा 'उपलब्धता, किफायती होने और टिकाऊपन' पर आधारित है। उनका कहना था, ''हम ऊर्जा की आपूर्ति के स्रोत को लेकर किसी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं।

पुरी ने कहा, ''वैश्विक बाजार में बहुत अधिक तेल की आपूर्ति हो रही है। ब्राजील, गुयाना, सूरीनाम और कनाडा से आपूर्ति हो रही है। आपूर्ति की कोई कमी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क कम किया है, लेकिन कांग्रेस शासित राज्यों में वैट की बढ़ोतरी हो रही है।

पुरी ने इस बात पर जोर दिया, ''पड़ोस में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें भारत के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक हैं। सिर्फ भारत में कीमतों में कमी आई है।''

यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल हुआ बस्तर का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपनी अनूठी जैव विविधता के साथ भारत का नया यूनेस्को धरोहर दावेदार बन गया है। इस उद्यान को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ के पर्यटन के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि कांगेर घाटी की खूबसूरती और ऐतिहासिक महत्त्व ने इसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

उनके मुताबिक, दिसंबर 2023 में छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय पुरातत्व

सर्वेक्षण विभाग ने इस स्थल को वैश्विक पहचान दिलाने की योजना बनाई थी। विशेषज्ञों ने इसकी जैव विविधता, पुरातात्विक धरोहर और अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र का गहराई से अध्ययन किया और फिर इसका नाम यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल करने का प्रस्ताव भेजा गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ का कोई स्थल इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हुआ है। अब पूरी उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में इसे स्थायी विश्व धरोहर का दर्जा भी मिल सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस सफलता को लेकर कहा है कि यह कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है।

साय ने कहा है, ''कांगेर घाटी का यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल होना राज्य के लिए गौरव का विषय है, जिससे पर्यटन एवं रोजगार में नई संभावनाएं खुलेंगी। हम भविष्य में भी अपनी धरोहरों के संरक्षण के लिए मिलकर प्रयास करते रहेंगे।''

अधिकारियों ने बताया कि कांगेर घाटी सिर्फ जंगल नहीं है, यह एक जादुई दुनिया है। यहां 15 से ज्यादा रहस्यमयी गुफाएं हैं, जैसे कोटमसर, कैलाश और दंडक गुफाएं, जो किसी रहस्यलोक से कम नहीं लगतीं। उन्होंने बताया कि यहां 15 से अधिक चूना पत्थर की गुफाएं हैं। यहां की टमसर, कैलाश, दंडक गुफाएं न सिर्फ भूवैज्ञानिक चमत्कार हैं, बल्कि पुरातात्विक कहानियां भी समेटे हुए हैं। इस उद्यान में ऊदबिलाव, माउस डियर, जायंट गिलहरी, लेथिस सॉफ्टशेल कछुआ, जंगली भेड़िया जैसे दुर्लभ प्राणी भी निवास करते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यहां पक्षियों की दो सौ से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं तथा नौ सौ से अधिक वनस्पतियां भी हैं। यहां तितलियों की 140 से अधिक प्रजातियां है। उन्होंने बताया कि यूनेस्को की अस्थायी सूची एक खास सूची होती है, जिसमें दुनिया के वह स्थान शामिल किए जाते हैं, जिन्हें भविष्य में विश्व धरोहर घोषित किया जा सकता है और यह पहला और सबसे अहम कदम होता है।

अधिकारियों ने कहा कि अब कांगेर घाटी ने भी यह पहला पड़ाव पार कर लिया है और आगे चलकर यदि यह स्थायी सूची में शामिल हो जाती है, तब छत्तीसगढ़ का यह हरा-भरा जंगल पूरे विश्व में अपनी खास पहचान बना लेगा।

अधिकारियों ने बताया कि इस सफलता से सिर्फ जंगल ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों को भी फायदा होगा।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान राज्य के बस्तर क्षेत्र में स्थित है। पार्क का नाम कांगेर नदी से लिया गया है। यह राष्ट्रीय उद्यान 200 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।

कॉलेज छात्रा को नग्न वीडियो के जरिये ब्लैकमेल कर सात लोगों ने किया बलात्कार

पालनपुर/भाषा। गुजरात के बनासकांठा जिले की एक कॉलेज छात्रा को उसके नग्न वीडियो के जरिये ब्लैकमेल कर सात लोगों ने 16 महीने तक उसके साथ कथित तौर पर कई बार बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि छह आरोपियों में से एक ने 20 वर्षीय एक युवती से इंस्टाग्राम पर तब दोस्ती की, जब उसने 2023 में पालनपुर में एक कॉलेज में जाना शुरू किया था। नवंबर 2023 में उसने उसे होटल में नाश्ते के लिए साथ चलने के लिए मनाया। आरोपी ने जानबूझकर युवती के कपड़े पर खाना गिराया और उसे साफ करने के बहाने कमरे में ले गया। जब युवती बाथरूम में कपड़े साफ कर रही थी, तब विशाल चौधरी नामक आरोपी अंदर घुस आया और उसका वीडियो बना लिया। जब युवती ने विरोध किया तो उसने वीडियो को सार्वजनिक करने और इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने की धमकी दी।

बेंगलूरु, गुरुवार 13 मार्च 2025 ▪ फाल्गुन शुक्ल - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 227 ▪ बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

5 ‘बांग्लादेशी घुसपैठियों’ को अलग करके हो परिसीमन : निशिकांत दुबे

6 होली पर वास्तविक सद्भावना के रंग भरे जाएं

अवकाश की सूचना

रंगों से सराबोर भाईचारे के त्यौहार होली के अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं हितैषियों को अनेकानेक बधाइयां। 13 और 14 मार्च 2025 को होली उत्सव के उपलक्ष्य में **दक्षिण भारत कार्यालय** में संपूर्ण अवकाश रहेगा, अगला अंक 16 मार्च को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

‘ग्लोबल साउथ’ के लिए भारत के नए दृष्टिकोण की प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट लुइस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को ‘ग्लोबल साउथ’ के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की घोषणा की।

मोदी ने मॉरीशस की अपनी यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन मीडिया को दिए बयान में कहा, ‘‘ ‘ग्लोबल साउथ’ के लिए हमारा दृष्टिकोण होगा – ’महासागर’ – यानी क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति।’’

‘ग्लोबल साउथ’ शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ‘‘हमारा दृष्टिकोण विकास के लिए व्यापार, सतत उन्नति के लिए दक्षता विकास और साझा भविष्य के लिए आपसी सुरक्षा पर केंद्रित है।’’

मोदी को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया

पोर्ट लुईस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान ‘द ग्रांड कमांडर ऑफ ऑर्डर ऑफ स्टार एंड की ऑफ इंडियन ओशन’ से सम्मानित किया गया जिसे उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री, मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं।

सिर्फ़ मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ही औरंगजेब को अपना आदर्श मान सकता है : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विपक्षी दलों तथा मुगल शासक औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले ‘‘लोगों’’ की आलोचना की एवं उनकी मानसिक स्थिति और इरादों पर सवाल उठाया।

यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि केवल मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ही औरंगजेब को आदर्श व्यक्ति मान सकता है।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी की औरंगजेब पर टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच आई है। आजमी को 26 मार्च तक महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है और कथित तौर पर जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए उनके खिलाफ कई प्राथमिकियां दर्ज की गईं।

आदित्यनाथ ने आज यहां कार्यक्रम में कहा, ‘‘जो लोग भारत की सनातन परंपराओं और संस्कृति में विश्वास नहीं करते हैं, उनके खिलाफ साजिश रचते हैं, उन्हें उन लोगों के भाग्य पर भी गौर करना चाहिए जिनका वे महिमामंडन करते हैं। मैं यह पूरी ईमानदारी से कहता हूं– केवल मानसिक रूप से विकृत व्यक्ति ही औरंगजेब को आदर्श व्यक्ति मान सकता है। मैं नहीं मानता कि कोई भी मानसिक रूप से परिपक्व या बुद्धिमान व्यक्ति ऐसे क्रूर शासक की प्रशंसा करेगा।’’ उन्होंने कटाक्ष किया, अगर कोई पूरी जागरूकता के साथ इस पर विश्वास करता है, तो उसे सबसे पहले अपने बेटे का नाम औरंगजेब रखना चाहिए। और उन्हें औरंगजेब द्वारा अपने पिता शाहजहां के साथ किए गए व्यवहार का सामना करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाल ए होली

सेंसेक्स कर रहा धूमधाम,
गाजा यूक्रेन चले गोली।
मँहगाई ने पर खोल दिए,
हालत निर्धन की है पोली।
हम अमन देश का माँग रहे,
फैला करके अपनी झोली।।
नेतागण फैंक रहे कीचड़,
कानूनों की जलती होली।

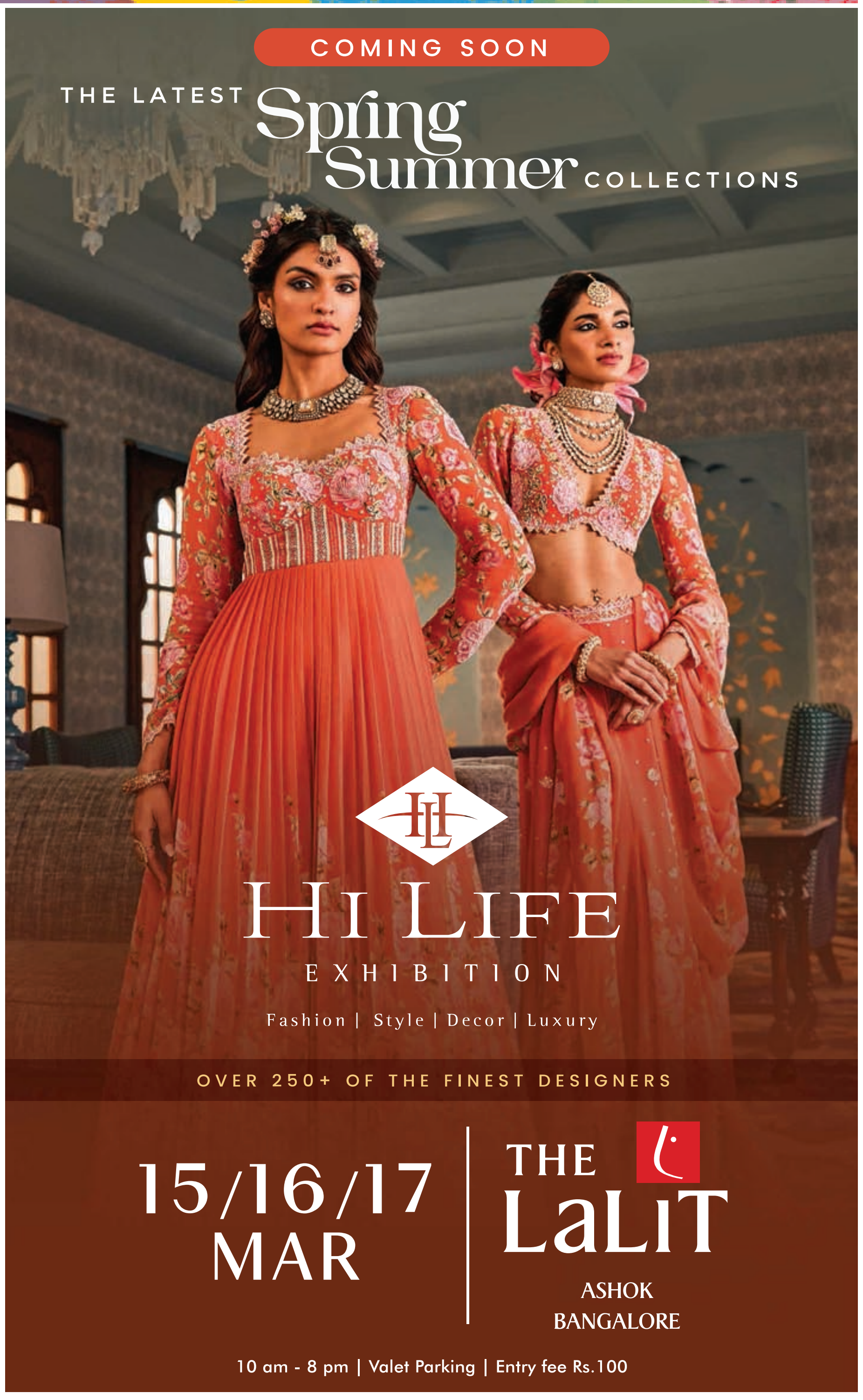

पात्र व्यक्ति को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन हो। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसे सभी स्तरों पर सुनिश्चित किया जाए। राज्यपाल बुधवार को दौसा कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राष्ट्र और समाज की प्रगति के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास हो कि हर वर्ग के बालक-बालिका को गुणवत्तायुक्त शिक्षा मिले। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से जिले में कुपोषित बच्चों की जानकारी लेते हुए हर बालक-बालिका को पूर्ण पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए पेंशन एवं छात्रवृत्ति राशि का समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि गांवों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें और कोई भी आवास शौचालय रहित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने मनरेगा के माध्यम से गांवों में अच्छे खेल मैदानों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। राजीविका गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की ओर से बनाए जाने वाले उत्पादों और उनसे होने वाली वार्षिक आय की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने इन उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग कर बाजार मुहैया कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जिला स्तर पर इन समूहों की आय के समुचित आंकड़े संधारित करते हुए हर वर्ष लक्षित वृद्धि हासिल कर महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाएं। राज्यपाल ने जिले में सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में कोई भी गांव और ढाणी सड़क से वंचित नहीं रहें। हर ढाणी तक मनरेगा के माध्यम से ग्रेवल सड़क के माध्यम से सुगम रास्ता सुनिश्चित करें। उन्होंने हाइवे की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए समय पर मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में पेयजल की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की मंशा है कि देश में पीने के पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो और आगामी 25-30 साल तक कहीं भी पेयजल की परेशानी नहीं आए। इसके लिए ही हर घर नल योजना शुरू कर घर-घर पानी पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने इसरदा पेयजल परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और निश्चित समय सीमा में इसका काम पूर्ण कर लोगों को पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने जिले के कृषि परिदृश्य की जानकारी लेते हुए बूंद-बूंद सिंचाई एवं मिनी स्प्रिंकलर को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की अनुदान राशि समय पर काश्तकार को मिल जानी चाहिए। उन्होंने जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि काश्तकार को मंडी में जिंस तुलाई में कोई दिक्कत नहीं हो और फसल बेचान की राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित हो। उन्होंने किसानों के बीच सिंचाई के लिए सोलर पंप सेट को प्रोत्साहित करने के साथ लम्बित कृषि बिजली कनेक्शन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा कर काश्तकारों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना एवं पीएम विश्वकर्मा योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, मातृ वंदन योजना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

थाने में आरक्षी ने की आत्महत्या

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के आंधी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक आरक्षी (कांस्टेबल) ने थाने में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। थानाधिकारी रमेश मीणा ने बताया कि आरक्षी हरिओम चौधरी (35) ने मंगलवार देर रात थाने की सीढ़ियों से फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि चौधरी के बिस्तर पर एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उन्होंने कथित रूप से अपनी बीमारी से परेशान होने का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया तथा परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान में वृद्धि

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश भागों में बीते 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक, बाड़मेर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 7.7 डिग्री ज्यादा है। जयपुर मौसम केन्द्र के प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी दो दिनों में बीकानेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है और तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने के आसार हैं।

उन्होंने बताया कि संगरिया में सबसे कम न्यूनतम तापमान बुधवार सुबह 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उनके मुताबिक, जोधपुर, चित्तौड़गढ़, सिरोही, डूंगरपुर व पाली में मंगलवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

देश में विलुप्त नदियों को संरक्षित करने की दिशा में हो रहे प्रभावी कार्य : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में विलुप्त नदियों को संरक्षित करने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं और करौली जिले की भद्रावती नदी का पुनरुद्धार किये जाने के लिए राज्य सरकार द्वारा कार्य कराया जा रहा है। रावत प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रूपारेल, साबी एवं जोजरी नदी को पुनर्जीवित किये जाने हेतु डी.पी.आर. का कार्य बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत कराये जाने क लिए स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि जाखम बांध के अधिशेष जल को राजसमंद, चित्तोड़गढ़ व भीलवाड़ा के मेजा, भोपालसागर, राजसमंद, नंदसमंद आदि बांधो में अपवर्तित किए जाने के लिए बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत क्रियान्वयन के लिए 12.50 करोड़ रुपये की लागत से डी.पी.आर तैयार करने हेतु कार्यादेश 10 फरवरी को जारी किए गए हैं। रावत ने बताया कि भारत सरकार की राष्ट्रीय नदी संरक्षण परियोजना अंतर्गत जोधपुर जिले की जोजरी नदी में प्रवाहित हो रहे प्रदूषित सीवरेज पानी के ट्रीटमेंट के लिए चार कार्य स्वीकृत किये गये हैं, जिनका कार्य जोधपुर विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम जोधपुर द्वारा किया जाना है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा वर्ष 2024-25 अंतर्गत नदियों की साफ-सफाई के लिए डिसिल्टिंग एवं ड्रेजिंग के कार्य सक्षम स्वीकृति एवं वित्तीय संसाधन उपलब्धतानुसार कराये जाने प्रस्तावित हैं।

इससे पहले विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि नदियों को पुनर्जीवित करने अंतर्गत रिजटू वैली कैचमेंट क्षेत्र उपचारित पद्धति आधारित वानिकीकरण कार्य, जल संरक्षण कार्य, मृदा संरक्षण कार्य, नाला उपचार कार्य, प्रदूषण को रोकने संबंधी कार्य एवं सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सामुदायिक संगठन एवं सूचना शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) गतिविधियों को सम्मिलित कर डी.पी.आर. तैयार की जाकर स्वीकृति उपरांत संसाधन उपलब्धतानुसार कार्य कराये जाने हैं।

राजस्थान विधानसभा में सकारात्मक विकास की नई इबारत, ग्रीन बजट से सशक्त होगा प्रदेश : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विकास और सुशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने सदन में ग्रीन बजट पेश किए जाने को एक ऐतिहासिक कदम बताया, जो राज्य की सतत विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सिटीजन फर्स्ट' दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार किया गया है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता और ज्ञान को केंद्र में रखकर नीतिगत फैसले लिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बजट प्रदेश के कल्याणकारी योजनाओं को मजबूती देने वाला है और समुचित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष के रुख पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब वित्त मंत्री ने सरकार का दूसरा बजट प्रस्तुत किया, तब प्रतिपक्ष के चेहरों पर असमंजस और उतार-चढ़ाव स्पष्ट दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष अगर प्रदेश के आमजन की खुशहाली की परवाह करता है, तो उसे बजट का सकारात्मक रूप से स्वागत करना चाहिए था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राजस्थान की आर्थिक स्थिति लगातार सशक्त हो रही है और वर्ष 2025-26 तक राज्य की जीएसडीपी 19,89,835 करोड़ रुपये (230 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने का अनुमान है। इसी प्रकार, 2028-29 तक जीएसडीपी 35,02,629 करोड़ रुपये (350 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रदेश के विकास को लेकर किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की जनता का विश्वास उनकी सरकार पर बना रहेगा और सभी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा। उन्होंने विधानसभा में सभी माननीय सदस्यों को संविधान क्लब के क्रियाशील होने पर शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने सदन में यह भी कहा कि पहली बार राज्य में ग्रीन बजट प्रस्तुत किया गया है, जो पर्यावरण-संवेदनशील योजनाओं को प्राथमिकता देगा। इससे प्रदेश में हरित ऊर्जा, जल संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के इन सकारात्मक कदमों से स्पष्ट है कि राजस्थान तेजी से आर्थिक और सामाजिक विकास की ओर अग्रसर है और आने वाले वर्षों में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार होगा।

राजस्थान सरकार अपने कुशल वित्तीय प्रबंधन और डबल इंजन की नीति के तहत 2030 तक निर्धारित आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रति पूर्ण रूप से आश्वस्त है। वर्तमान आर्थिक वृद्धि दर के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि राज्य तय समय सीमा से पहले ही अपने विकास लक्ष्यों को हासिल कर लेगा। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि सरकार की नीतियों का उद्देश्य केवल आर्थिक प्रगति ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाया गया है, जिससे उद्योगों को आवश्यक अनुमतियां और सेवाएं सुगमता से प्राप्त हो सकें।

राजस्थान सरकार ने कंप्यूटर इकोसिस्टम और आधुनिक तकनीक में निवेश को लेकर उद्यमियों को आमंत्रित किया है। इस पहल के तहत विभिन्न देशों के उद्योगों के प्रतिनिधियों और देश के अन्य राज्यों के उद्यमियों ने भी भाग लिया। सरकार ने छह महीने का विशेष 'ग्रोथ एक्सीलेरेशन प्रोग्राम' चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सरकार के प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश संभव हो पाया है। इससे प्रदेश में न केवल आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सतत विकास के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है और निवेश को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए नई योजनाएं भी लाई जा रही हैं। इसके साथ ही, प्रशासनिक सुधारों और नई औद्योगिक नीतियों के जरिये राजस्थान को एक मजबूत औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

राजस्थान विधानसभा में विपक्ष का दो बार सदन से बहिर्गमन

सरकार की ऐसी क्या मजबूरी थी कि अध्यादेश लाने की जरूरत पड़ी। जूली ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है, इसलिए केवल एक घंटे में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पारित कर दिए गए। इस पर पटेल ने कहा कि विकास कार्यों में रोड़े अटकाना कांग्रेस की नीति बन गई है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के तृतीय एवं बजट सत्र में बुधवार को विपक्ष कांग्रेस सदस्यों ने अलग अलग मुद्दों पर दो बार सदन का बहिर्गमन किया। प्रश्नकाल में विधायक हाकम अली के सवाल जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइपलाइन डालने से सड़कों के क्षतिग्रस्त हो जाने के मामले का जलदाय मंत्री कन्हैया लाल ने जवाब दिया लेकिन कांग्रेस सदस्य इससे संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। इस दौरान शोरशराबा और हंगामा हुआ। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विपक्ष केवल बहाने बना रहा है और बिना किसी ठोस मुद्दे के हंगामा कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए जल जीवन मिशन घोटाले के उजागर होने से कांग्रेस परेशान है। इसके बाद कांग्रेस विधायक सदन से बहिर्गमन कर गए। इसके बाद शून्यकाल में भरतपुर और बीकानेर विकास प्राधिकरण विधेयक 2025 को पारित किया गया, जिसका कांग्रेस सदस्यों ने विरोध जताया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार बिना चर्चा के विधेयकों को पारित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ऐसी क्या मजबूरी थी कि अध्यादेश लाने की जरूरत पड़ी। जूली ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है, इसलिए केवल एक घंटे में तीन महत्वपूर्ण विधेयक पारित कर दिए गए। इस पर पटेल ने कहा कि विकास कार्यों में रोड़े अटकाना कांग्रेस की नीति बन गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार राजस्थान के हर इलाके का समग्र विकास चाहती है लेकिन कांग्रेस के पास कोई मुद्दा या विजन नहीं है और वह केवल विरोध करने का बहाना ढूंढ रही है। कांग्रेस विधायकों ने विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग की और विधेयक के विरोध में सदन से बहिर्गमन कर गए। कांग्रेस सदस्यों ने आज दूसरी बार सदन से बहिर्गमन किया।

दीया कुमारी को वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड की सौंपी ट्राफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पेसिफिक एशिया ट्रैवल राइटर्स एसोसिएशन' ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उपमुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी को हाल में मिले वीमन टूरिज्म मिनिस्टर ऑफ द ईयर, इंडिया की ट्राफी बुधवार को सौंपी गई। पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने सुदीया कुमारी को यह ट्रॉफी सौंपी। उल्लेखनीय है कि यह सम्मान आईटीबी बर्लिन, जर्मनी में सेशेल्स के पूर्व पर्यटन मंत्री, डॉ. एलन सेंटएन्ज द्वारा दिया गया। जिसे उपमुख्यमंत्री की ओर से पर्यटन विभाग के अधिकारी, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, उप निदेशक पर्यटन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया था।

राजस्थान सरकार प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ मिलकर राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा देश और दुनिया के विभिन्न पर्यटन मंचों पर राजस्थान के पर्यटन की ब्रांडिंग की जा रही है। इसी के तहत पेसिफिक एरिया ट्रैवल राइटर्स संगठन (पटवा) ने राजस्थान को यह सम्मान प्रदान किया हैं।

आईफा अवार्ड्स को लेकर नेता प्रतिपक्ष का सरकार पर तीखा हमला

जयपुर में जब सितारों की महफिल सजी थी, तब मुख्यमंत्री के क्षेत्र में गर्भवती महिला की इज्जत हो रही थी तार-तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में हुए आईफा अवॉर्ड्स को लेकर विपक्षी नेता टीकाराम जूली ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली का आरोप है कि जब जयपुर में सितारों की महफिल सजी थी, उसी समय मुख्यमंत्री के अपने ही विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में एक गर्भवती महिला की अस्मिता से खिलवाड़ किया जा रहा था। दुखद पहलू यह कि इस शर्मनाक घटना में किसी बाहरी अपराधी का नहीं, बल्कि पुलिसकर्मी का नाम सामने आया हैजिससे कानून और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सरकार ने आईफा के आयोजन पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि धार्मिक स्थलों, विशेष रूप से खाटू श्यामजी और गोविंद देवजी मंदिर, के लिए बजट में घोषित राशि अब तक जारी नहीं की गई। यह सवाल उठता है कि सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं? क्या राजस्थान की जनता के टैक्स का पैसा बॉलीवुड की चकाचौंध में उड़ाने के लिए है, जबकि आम जनता मूलभूत सुविधाओं से जूझ रही है? जूली ने आरोप लगाया कि इस भव्य आयोजन में चुनिंदा लोगों को ही शामिल किया गया। 7-7 लाख रुपये के टिकट कुछ खास हाथों में ही गए। न सिर्फ विपक्ष बल्कि कई विधायकों और मंत्रियों को भी नजरअंदाज किया गया। क्या ये लोकतंत्र की भावना के अनुरूप है? अगर यह आयोजन वाकई राज्य के लिए गर्व की बात थी, तो आम जन को इससे दूर क्यों रखा गया? यही नहीं उन्होंने कहा कि आईफा में शाहरुख खान को छोड़ दें तो बाकी

सभी सैकंड ग्रेड आर्टिस्ट थे। बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम ने भी इस आयोजन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस कलाकार को राइजिंग राजस्थान में बुलाया गया उनको आईफा में भूल गए। यदि किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नॉमिनेशन से बाहर किया जाता है कि उसने सरकार की आलोचना की थी, तो यह सीधे तौर पर तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है।

राजस्थान सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब राज्य में कानून-व्यवस्था का ये हाल है, किसानों की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, बेरोजगारी चरम पर है, तब इतना बड़ा फंड सिर्फ बॉलीवुड के एक कार्यक्रम पर क्यों खर्च किया गया? आईफा जैसे आयोजनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन जब जनता मूलभूत जरूरतों से जूझ रही हो, तब यह आयोजन 'ब्रांडिंग' से ज्यादा 'बेबसी का तमाशा' लगता है।

आईफा अवॉर्ड्स एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट हो सकता है, लेकिन जब जनता की समस्याएं हाशिए पर चली जाएं, जब कानून-व्यवस्था रसातल में हो, जब धार्मिक स्थलों को घोषित फंड तक न मिले, और जब सरकार केवल अपने 'खास' लोगों के लिए तामझाम करे, तो इसे विकास नहीं कहा जा सकता। सवाल यही हैक्या राजस्थान की जनता ने सरकार को बॉलीवुड को प्रमोट करने के लिए चुना था या जनहित के कार्यों के लिए?

पशुपालन विभाग द्वारा उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

जयपुर। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने कहा कि आज की परिस्थिति में जूनोटिक रोग सार्वजनिक स्वास्थ्य की जोखिम की स्थिति को दर्शाते हैं, इसलिए इसकी पहचान करना बहुत आवश्यक है। डॉ सेजरा आज पशुपालन विभाग द्वारा राजस्थान राज्य पशुधन प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान, जामडोली में एस्केड योजना के तहत उभरते जूनोटिक रोगों की तैयारी और एक स्वास्थ्य विषय पर आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

डॉ सेजरा ने कहा कि इन रोगों के बारे में आम जन को भी जागरूक करना आवश्यक है। यह जागरूकता रोग की शुरूआती पहचान, रोकथाम और नियंत्रण में सहायक है, जिससे अंततः सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है। जूनोटिक और गैर जूनोटिक रोगों के बीच में अंतर के बारे में जनता को शिक्षित करने से अनावश्यक भय को दूर करने में सहयोग मिलता है।

कांग्रेस फिर सत्ता में आएगी, मैं और पांच वर्ष तक मुख्यमंत्री रहूंगा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी तथा वह और अगले पांच साल तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। सिद्दरामय्या विधानसभा में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्यों को जवाब दे रहे थे, जो यह आरोप लगाते हुए विधानसभाध्यक्ष के आसन के सामने आ गए थे कि सरकार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गारंटी समिति का अध्यक्ष और सदस्य नियुक्त किया है, जो विधायकों और विधान पार्षदों के प्रति अनादर है।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार गलत मिसाल कायम कर रही है और अगली सरकार के लिए यह और भी चुनौतीपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री ने उनकी दलील तत्काल खारिज कर दी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा, ''हम नहीं जाएंगे। हम फिर से जीतेंगे। आप (चुनाव) नहीं जीत सकते। इसमें तो कुछ कहने की बात ही नहीं है।'' सिद्दरामय्या ने विपक्ष को याद दिलाया कि वे हाल ही में चन्नपटना, शिगगांव और संदूर में विधानसभा उपचुनाव हार गए थे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, ''आप लोगों ने विधानसभा चुनाव से पहले हमें चुनौती दी थी कि क्या हममें हिम्मत और ताकत है? आपने अपनी चुनौती का हश्र देखा। हम फिर से सत्ता में लौटेंगे और मैं वहां (अगले मुख्यमंत्री के रूप में) रहूंगा।'' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का यह जवाब उनके और राज्य के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच सत्ता को लेकर खींचतान के बीच आया है। विपक्ष गारंटी क्रियान्वयन समितियों के अध्यक्ष और सदस्यों के रूप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नियुक्ति से नाराज है और उसका कहना है कि इन समिति सदस्यों की जिला प्रशासन में विधायकों और एमएलसी से भी अधिक पकड़ है। पांच गारंटी योजनाएं हैं – 'गृह ज्योति' जिसके तहत प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी, 'गृह लक्ष्मी' योजना जिसके तहत प्रत्येक परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपये दिए जाएंगे तथा 'अन्न भाग्य' जिसके तहत बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रति माह 10 किलोग्राम चावल दिया जाएगा। 'युवा निधि' योजना के तहत बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमा धारकों को दो वर्ष के लिए 1,500 रुपये (18–25 आयु वर्ग में) देने का वादा किया गया है, तथा 'शक्ति' योजना के तहत कर्नाटक की महिलाओं को राज्य के भीतर सरकारी गैर–लक्जरी बसों में मुफ्त यात्रा की अनुमति दी गई है। कांग्रेस सरकार ने सभी जिलों में गारंटी क्रियान्वयन समिति का गठन किया है और क्रियान्वयन की निगरानी के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया है, जिस पर भाजपा ने आरोप लगाया कि यह सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा विधायकों के विशेषाधिकार का उल्लंघन है और कर्नाटक विधानसभा में दूसरे दिन भी अपना आंदोलन जारी रखा।

भाजपा ने बुधवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत को एक ज्ञापन सौंपकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं की अध्यक्षता में सरकार की पांच गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए गठित राज्य, जिला और तालुका–स्तरीय समितियों को रद्द करने का अनुरोध किया, उन्हें असंवैधानिक बताया। दोपहर के भोजन के बाद विधानसभा में हंगामा जारी रहने पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विधायकों के अधिकारों में कटौती नहीं की जाएगी और उनके विशेषाधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जाएगा। सिद्दरामय्या ने कहा, हम भी विधायकों और एमएलसी का उतना ही सम्मान करते हैं जितना आप करते हैं, क्योंकि मैं भी एक विधायक हूं। इसलिए मैं कभी भी ऐसा कोई काम नहीं करूंगा जो अपमानजनक हो। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को अवसर देने और शासन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की परंपरा शुरू से ही रही है, जो नयी बात नहीं है, क्योंकि भाजपा ने भी सत्ता में रहते हुए ऐसा ही किया था।

सिद्दरामय्या ने प्रदर्शनकारी भाजपा विधायकों से कहा, ''क्या यह सत्ता का दुरुपयोग नहीं है, जब पार्टी कार्यकर्ताओं को बोर्ड और निगमों का अध्यक्ष बनाया जाता है? उन्हें कौन वेतन देता है? महाराष्ट्र में आपने आरएसएस कार्यकर्ताओं को सभी मंत्रियों का निजी सहायक बना दिया है।'' इसके बाद भाजपा विधायकों ने नारेबाजी की, जिससे सदन की कार्यवाही और अधिक अव्यवस्थित हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा, हम क्रियान्वयन समिति में बदलाव नहीं करेंगे, लेकिन हम ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे, जिससे विधायक/एमएलसी का अपमान हो। उन्होंने प्रदर्शनकारी विधायकों से यह भी कहा कि वे जिले के उपायुक्तों और पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से कहेंगे कि वे विधायकों और एमएलसी को प्राथमिकता दें।

भाजपा विधायक सुनील कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का बयान उनके आदेशों से अलग है। भाजपा नेता आर अशोक ने बताया कि शिवमोगा जिले के प्रभारी मंत्री मधु बंगरप्पा ने हाल ही में जिले के डिप्टी कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा है कि जो भी 'विकास समिति का अध्यक्ष' है, उसके निर्देशों का पालन सभी स्कूलों और कॉलेजों में किया जाना चाहिए। अशोक ने आरोप लगाया, ऐसे आदेशों का क्या औचित्य है? क्या यह विधायक/एमएलसी के विशेषाधिकार का उल्लंघन नहीं है? यह उल्लंघन है, जो अब से हर रोज होगा। हस्तक्षेप करते हुए विधानसभाध्यक्ष यू टी खादर ने कहा कि सिद्दरामय्या ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह जिला प्रशासन को निर्देश देंगे कि वह ऐसा कुछ न करें जिससे विधायकों/एमएलसी का अपमान हो।

विधान परिषद में 'ग्रेटर बेंगलूरु एडमिनिस्ट्रेशन बिल' पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने विधानसभा द्वारा अनुमोदित 'ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन विधेयक', 2024 को संशोधनों और संयुक्त समीक्षा समिति की सिफारिशों के साथ विधान परिषद में विचार एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया। सदन के सदस्यों द्वारा विचार–विमर्श के बाद विधेयक पारित किया गया।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा, विपक्षी दलों के सदस्यों ने कई अच्छे सुझाव दिए हैं। जिस प्रकार केम्पेगौड़ा ने उस समय बेंगलूरु की नींव रखी थी, उसी प्रकार हम भी समय के अनुरूप एक ठोस नींव रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पत्थर प्रकृति है, नक्काशी रूप है, पूजा संस्कृति है। उन्होंने कहा, इस बात को ध्यान में रखते हुए, हमने आप सभी की सलाह ली है और इस विधेयक को एक बेहतर मॉडल बनाने की पहल की है।

हम बेंगलूरु को तोड़ नहीं रहे हैं, हम इसे और मजबूत बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तराखंड, झारखंड और तेलंगाना में ऐसे प्रयास किए गए हैं। मैसूर जिले को बाद में चामराजनगर में विभाजित कर दिया गया। बेंगलूरु जिले को तीन जिलों में विभाजित किया गया, शहरी, ग्रामीण और रामनगर। गदग जिले को हावेरी में विभाजित किया गया। यह सब जनसंख्या वृद्धि और प्रशासनिक उद्देश्यों के अनुरूप हुआ। इसलिए यहां किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हम सत्ता के विकेंद्रीकरण, आर्थिक स्वायत्तता और कर संग्रह के उद्देश्य से इस विधेयक को पारित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, जीबीए के साथ, एक नगर पालिका में कर की दरें बढ़ाना तथा दूसरी में कर कम करना संभव नहीं होगा।

बेंगलूरु और बीदर के बीच स्टार एयर उड़ान 15 अप्रैल से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देते हुए, स्टार एयर 15 अप्रैलसे बेंगलूरु (बीएलआर) और बीदर (आईएक्सएक्स) के बीच उड़ान संचालन फिर से शुरू करेगा, जिसका एकतरफा किराया 2,499 से शुरू होगा। यह बहुप्रतीक्षित सेवा कर्नाटक की राजधानी और ऐतिहासिक शहर बीदर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करेगी और सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। बेंगलूरु–बीदर–बेंगलूरु उड़ानें कर्नाटक सरकार की राज्य आरसीएस योजना के समर्थन से संचालित की जाएंगी। अब सभी चैनलों पर उड़ानों की बुकिंग खुली है, जिससे यात्रियों के लिए सुविधाजनक पहुंच सुनिश्चित हो रही है।

बेंगलूरु से उड़ान सुबह 7.45 बजे रवाना होकर 9 बजे बीदर पहुंचेगी। वापसी में सुबह 9.30 बजे बीदर से रवाना होकर 10.45 बजे बेंगलूरु पहुंचेगी।

स्टार एयर के सीईओ श्री सिमरन सिंह तिवाना ने कहा, हमें बेंगलूरु और बीदर के बीच उड़ानें फिर से शुरू करने पर खुशी है, जो क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। यह मार्ग सड़क और रेल परिवहन की तुलना में तेज़ और अधिक कुशल यात्रा विकल्प प्रदान करके व्यापारिक यात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और रक्षा कर्मियों को काफी लाभ पहुँचाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर.अशोक के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा।

राज्यपाल से राज्य सरकार को सलाह देने की अपील

गारंटी क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष विधायकों के अधिकारों का हनन कर रहे हैं : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने आरोप लगाया है कि राज्य में गारंटी क्रियान्वयन समितियों के अध्यक्ष विधायकों के अधिकारों का हनन कर रहे हैं। बुधवार को राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के बाद मीडिया से बात करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा–जद(एस) प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। उन्होंने बताया कि गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए तालुक, जिला और राज्य स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति करना कांग्रेस सरकार का असंवैधानिक कदम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है और राज्यपाल से हस्तक्षेप कर सरकार को सलाह देने का आग्रह किया।

विजयेंद्र ने आगे कहा कि उनके अपने विधानसभा क्षेत्र में जिला प्रभारी मंत्री ने स्कूल और कॉलेज निरीक्षण समितियों को शिकारीपुरा तालुक के गारंटी क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष द्वारा सुझाए गए नामों पर विचार करने का निर्देश दिया था। उन्होंने दावा किया कि इसी तरह की हरकतें अन्य जगहों पर भी हो रही हैं और घोषणा की कि इस मुद्दे पर विधानसभा में विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जाएगा। सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने मंत्रियों पर विधायकों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया।

कोडागु जिले में 1.6 तीव्रता का भूकंप

बेंगलूरु। कर्नाटक के कोडागु जिले में बुधवार को भूकंप का हल्का झटका महसूस किया गया जिसकी रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 1.6 दर्ज की गई। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने एक बयान में कहा कि भूकंप का केंद्र मदिकेरी शहर से लगभग चार किलोमीटर दूर मदिकेरी तालुका के माडे से 2.4 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में था। बयान में कहा गया कि भूकंप की तीव्रता कम थी तथा इसके केंद्र से अधिकतम 15 से 20 किलोमीटर की दूरी तक हल्का झटका महसूस किया गया।

तमिलनाडु के वन मंत्री पोन्नुमुदी और राज्यसभा सदस्य एम एम अब्दुल्ला ने बुधवार को विधान सौधा में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से मुलाकात की।

लोकसभा क्षेत्र पुनर्सीमांकन के खिलाफ लड़ाई पर हाईकमान से चर्चा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि हम पार्टी हाईकमान के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्सीमांकन के खिलाफ लड़ने के तमिलनाडु सरकार के निमंत्रण पर निर्णय लेंगे। तमिलनाडु के वन मंत्री पोन्नुमुदी और राज्यसभा सदस्य एम एम अब्दुल्ला ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को विधान सौधा में उनसे मुलाकात की और उन्हें 22 तारीख को चेन्नई में तमिलनाडु के सीएम स्टालिन द्वारा आयोजित दक्षिण भारतीय राज्यों के प्रतिनिधियों की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा सीटों के प्रस्तावित पुनर्सीमांकन के संबंध में उठाए जाने वाले अगले कदमों पर चर्चा की जाएगी।

बाद में शिवकुमार ने मीडिया को जानकारी दी कि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने लोकसभा सीटों के पुनर्सीमांकन के नाम पर दक्षिण भारतीय राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लोकसभा सीटों को कम करने की साजिश के खिलाफ लड़ने के लिए एक संयुक्त संघर्ष समिति बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसलिए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की ओर से वन मंत्री पोन्नुमुदी और राज्यसभा सदस्य एम.एम. अब्दुल्ला ने मुझसे और मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्हें इस महीने की 22 तारीख को चेन्नई में होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा, उन्होंने निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का विरोध करने के लिए तमिलनाडु में एक सर्वदलीय बैठक की और इस पर चर्चा की, तथा उन्होंने वहां गैर–पक्षपातपूर्ण एकजुटता का प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके भी हमारी सहयोगी है और हम इस मुद्दे पर उनके रुख से सहमत हैं। हालाँकि, चूंकि हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं, इसलिए हमें अपने पार्टी नेताओं के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। हमने उन्हें सूचित कर दिया है कि हम उनका मार्गदर्शन लेने के बाद अगला निर्णय लेंगे। तमिलनाडु के मंत्री ने आज हमारे साथ भाषा के मुद्दे सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमें अपना सम्मान और आत्मसम्मान बनाए रखने के लिए काम करना होगा।

सिद्दरामय्या ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन के खिलाफ द्रमुक के अभियान का समर्थन किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के प्रस्तावित परिसीमन के खिलाफ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले प्रतिरोध अभियान के प्रति बुधवार को समर्थन जताया। बेंगलूरु में द्रमुक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने ''लोकतंत्र और संघवाद को कमजोर'' करने के केंद्र के कथित प्रयास की निंदा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु के वन मंत्री के पोन्नुमुदी और राज्यसभा सदस्य मोहम्मद अब्दुल्ला इस्माइल ने सिद्दरामय्या से उनके आवास 'कावेरी' में मुलाकात की और केंद्र सरकार के ''लोकतंत्र विरोधी और दक्षिण विरोधी रुख'' के खिलाफ जारी विरोध पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने विरोध के प्रति एकजुटता जताते हुए परिसीमन और अन्य मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाने पर विचार–विमर्श किया। सीएमओ ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी सिद्दरामय्या के साथ फोन पर इस मामले पर चर्चा की।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-280904182, 4541 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-79 2024-2025 दिनांक 12.03.2025
कार्य का नाम	एमओएक्स परिसर, इस्ट्रैक, पीन्या, बेंगलूरु में सबस्टेशन में एमवी पैनल में संशोधन, केबल की आपूर्ति और बिछाने का कार्य, लॉजिस्टिक पैनल के लिए अर्थिंग का कार्य।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 6.52 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	दो (02) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	13.03.2025 को 16.00 बजे से 19.03.2025 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	14.03.2025 को 11.00 बजे से 20.03.2025 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	21.03.2025 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	22.03.2025 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	24.03.2025 को 11.00 बजे से
ईएमडी	रु. 13,040.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सरकारी खजाने से मिल रही सैलरी!

कर्नाटक में नया नाटक, विपक्ष का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार की पांच गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करने वाली समितियों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के खिलाफ विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर (जदएस) विधायकों के विरोध प्रदर्शन के कारण बुधवार को लगातार दूसरे दिन विधानसभा की कार्यवाही बाधित रही। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर अपने कार्यकर्ताओं को भुगतान करने के लिए करदाताओं के पैसे लूटने का आरोप लगाया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जवाब दिया है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार के कार्यक्रमों की देखरेख करने का पूरा अधिकार है।

विपक्ष ने सरकार पर गारंटी योजनाओं की निगरानी के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य बनाकर समानांतर समितियों का गठन कर 'विधायकों की शक्तियों को कम करने' का आरोप लगाते हुए तर्क दिया कि राज्य के खजाने से पैसे का इस्तेमाल पार्टी कार्यकर्ताओं को मानदेय देने के लिए नहीं किया जा सकता। सदन में मंगलवार को विधायकों ने सदन के बीचोबीच आकर प्रदर्शन किया और सरकार से इन सभी समितियों को भंग करने की मांग की। कर्नाटक में सिद्दरामय्या सरकार द्वारा चुनाव पूर्व गारंटी को पूरा करने के लिए गठित पैनल के पदाधिकारियों के रूप में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नियुक्त करने और उनके वेतन और भत्तों के लिए धन निर्धारित करने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर अपने कार्यकर्ताओं को भुगतान करने के लिए करदाताओं के पैसे लूटने का आरोप लगाया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जवाब दिया है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राज्य सरकार के कार्यक्रमों की देखरेख करने का पूरा अधिकार है।

भाजपा विधायकों ने बुधवार को विधान सौधा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। जेडी(एस) विधायक एमटी कृष्णप्पा ने मंगलवार को विधानसभा में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जब विधायक और अधिकारी कार्यक्रम क्रियान्वयन की निगरानी कर रहे थे, तब कांग्रेस सरकार पार्टी कार्यकर्ताओं पर अनावश्यक रूप से धन खर्च कर रही थी। विपक्ष के नेता आर अशोक ने उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार की आलोचना की और कहा कि वह सरकार और पार्टी के बीच अंतर करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, आप करदाताओं का पैसा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैसे दे सकते हैं? अगर आप उन्हें भुगतान करना चाहते हैं, तो सड़कों पर जाकर भीख मांगें। इन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कैबिनेट रैंक, आधिकारिक बंगले और कार्यालय दिए गए हैं। शिवकुमार ने इस कदम का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार की इच्छा है। इस सरकार को सत्ता में लाने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को इसके कार्यक्रमों की निगरानी करने का पूरा अधिकार है। अशोक ने फिर पूछा कि क्या भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की निगरानी के लिए नियुक्त किया जा सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने सरकार और विपक्ष दोनों से इस मुद्दे को सुलझाने और सदन की कार्यवाही सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं यह बात सरकार और विपक्ष दोनों से कह रहा हूं। पूर्व गृह मंत्री, भाजपा के अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि पैनल में नियुक्त कांग्रेस कार्यकर्ता विधायकों के साथ काम करने के बजाय समानांतर बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्या आपको हम पर भरोसा नहीं है? हम पहले से ही इसी उद्देश्य के लिए वेतन और भत्ते प्राप्त कर रहे हैं। यह अलोकतांत्रिक है। शिवकुमार ने जवाब दिया कि भाजपा ने हमेशा गारंटी का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गारंटी योजनाओं के लिए 52,000 से 56,000 करोड़ रुपये आवंटित कर रही है, जो बजट का 20 प्रतिशत है।

सुविचार

ज्यादातर लोग असफल हो जाते हैं क्योंकि वे दूसरों की नक़ल करते हैं, वे यह नहीं समझ पाते कि सबके प्रश्नपत्र अलग-अलग होते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धधक रहा बलोचिस्तान

पाकिस्तान में बलोच विद्रोहियों ने एक ट्रेन पर जिस तरह हमला कर यात्रियों को बंधक बनाया, उससे एक बार फिर बलोचिस्तान की आज़ादी का मुद्दा सुर्खियों में आ गया है। हालांकि उन्होंने जो तरीका अपनाया, उसके लिए मौजूदा दुनिया में स्वीकार्यता कम है। इसका दूसरा पहलू यह है कि बलोच विद्रोहियों को ऐसी कार्रवाई करने के लिए पाकिस्तानी फौज ने ही मजबूर किया है। जब से पाकिस्तान बना है, बलोच अवाम का जीना दूभर हो गया है। बेशकीमती खनिजों से मालामाल उस इलाके पर पाकिस्तानी फौज ने अपने पंजे जमा रखे हैं। बलोचिस्तान की दौलत लूटकर फौजी अफसर करोड़पति-अरबपति हो गए हैं। उसकी जमीन से निकलने वाली गैस से चूल्हे जलाकर इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, पेशावर जैसे शहरों में पकवान बनाए जा रहे हैं, जबकि बलोचिस्तान की महिलाएं आज भी लकड़ी के चूल्हे जलाने को मजबूर हैं। फौजी अफसरों और नेताओं ने बलोचिस्तान को लूटने के अनेक तरीके ढूंढ़ रखे हैं। इससे बलोच अवाम में विद्रोह की भावना पैदा होना स्वाभाविक है। बलोच विद्रोहियों द्वारा ट्रेन हमले की उक्त घटना में कितने लोग मारे गए, इसके आंकड़े को लेकर मीडिया में अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। हालांकि सच्चाई यह है कि पाकिस्तानी फौज सही आंकड़े बाहर नहीं आने देगी। उसके झूठ का पर्दाफाश इसी खबर से हो जाता है कि बलोच नेताओं ने 200 ताबूतों के भेजे जाने की बात कही है। जाहिर है कि बलोच विद्रोहियों के हमले में बहुत बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है। इससे आईएसआई की क्षमताओं पर सवाल उठने लगे हैं। जिस एजेंसी के बारे में यह कहा जाता है कि उसका नेटवर्क पाकिस्तान के चप्पे-चप्पे तक पसरा हुआ है, वह बलोच विद्रोहियों के मंसूबे नहीं भांप पाई!

बलोचिस्तान के जिस इलाके में विद्रोहियों ने ट्रेन पर कब्जा किया, वहां लगभग डेढ़ दर्जन सुरंगें हैं। उनसे गुजरते हुए ट्रेन की रफ्तार कुछ धीमी होती है। विद्रोहियों को इसकी पूरी जानकारी थी। उन्होंने सुनियोजित तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। इन विद्रोहियों ने आत्मघाती जैकेट पहन रखी थीं, जिससे पता चलता है कि ये बचकर निकलने के लिए नहीं, बल्कि मरने और मारने के लिए ही आए थे। बलोचिस्तान में हजारों लोग 'लापता' हैं। वे जिंदा हैं या मुर्दा, स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस, अदालत, फौज ... उनके परिवारों की कहीं सुनवाई नहीं है। माना जाता है कि 'लापता' लोग अब इस दुनिया में नहीं हैं। पाकिस्तानी फौज ने उनकी हत्या कर दी। बलोच अवाम का साजिशन खात्मा पाकिस्तानी फौज की एक 'रणनीति' है, ताकि बलोचिस्तान में संसाधनों की लूट के दौरान किसी तरह के प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़े। इसी सिलसिले में अकबर बुगती, करीमा बलोच समेत कई नेताओं को मौत के घाट उतार दिया गया। इससे बलोचिस्तान में आज़ादी की लहर कमजोर नहीं पड़ी, बल्कि और ज्यादा ताकतवर होकर लौटी। बलोच अवाम के पास भले ही कम संसाधन हैं, उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई खास सहयोग नहीं मिल रहा है, बलोचिस्तान की भौगोलिक सीमाएं ऐसी हैं कि उसे बाहर से सशस्त्र सहायता नहीं मिल रही है, इसके बावजूद आज़ादी के लिए लोगों का जज्बा कम नहीं हुआ है। वास्तव में बलोच सिर्फ अपनी आज़ादी की नहीं, अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। एक ओर वहां पाकिस्तानी फौज ने लूटमार मचा रखी है, दूसरी ओर चीन अपना शिकंजा कसता जा रहा है। चूंकि पाकिस्तान पर चीन का भारी-भरकम कर्ज है, जिसे ब्याज समेत चुकाना उसके बूते से बाहर है। पाकिस्तानी फौज एक फॉर्मूले के तहत बलोचिस्तान में चीन की 'मदद' कर रही है। इससे वहां ड्रैगन द्वारा लूटमार का रास्ता साफ होगा। बलोच यह बात बहुत पहले भांप चुके थे। वे जानते हैं कि इससे उनके संसाधन और ज्यादा तेजी से खत्म होंगे। वहां हाल के वर्षों में चीनी नागरिकों पर खूब हमले हुए हैं। बलोचिस्तान जिस ज्वाला से धधक रहा है, उसकी लपटों से रावलपिंडी और इस्लामाबाद कब तक बचे रहेंगे? पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों और नेताओं को चाहिए कि वे बलोच अवाम के साथ बैठें और उनकी समस्याओं का समाधान करें। अगर वे अब भी इस मुद्दे की अनदेखी करते रहेंगे तो भविष्य में पाकिस्तान का एक और विभाजन होना तय है।

ट्वीटर टॉक

भारत और मॉरीशस का संबंध केवल हिंद महासागर से ही नहीं, बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़ा है। हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति की राह पर एक दूसरे के साथी हैं। पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों में कई नए आयाम जोड़े हैं।

–नरेन्द्र मोदी

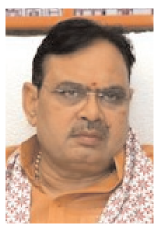

'दांडी यात्रा दिवस' के अवसर पर दांडी यात्रा में भाग लेने वाले सभी सत्याग्रहियों को मेरा कोटिशः नमन। आज के ही दिन 12 मार्च 1930 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने अंग्रेज़ी सरकार के अन्यायपूर्ण नमक कर के विरुद्ध दांडी यात्रा की ऐतिहासिक शुरुआत की थी।

–भजनलाल शर्मा

आज सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से बैठक कर विभाग की सभी बजट घोषणाओं की प्रगति व क्रियान्वयन एवं अन्य योजनाओं को लेकर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के संबंध में भी चर्चा हुई।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

जोखिम से समृद्धि

एक बार की बात है, धरती की गोद में दो बीज आ पड़े। कोमल मिट्टी ने उन्हें स्नेहपूर्वक ढक लिया। प्रातःकाल जब सूरज की पहली किरण ने धरती को स्पर्श किया तो दोनों बीजों की चेतना जागृत हुई। उनमें से एक बीज में अंकुर फूटने लगे। वह धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ने लगा। तभी पास ही पड़ा दूसरा बीज भयभीत स्वर में बोला'भैया, ऊपर मत जाना! वहां बड़ा जोखिम हो सकता है। यहां नीचे ही सुरक्षित रहो।' पहला बीज अपने छोटे भाई की बात सुनता रहा, किंतु उसने रुकने का नाम नहीं लिया। वह मिट्टी की परतों को चीरकर ऊपर निकल आया। बाहर का संसार अनोखा था। सूर्य की किरणों ने उसे ऊर्जा दी, वायु ने थपकियां देकर उसे सहलाया, वर्षा ने उसे अमृत समान जल से सींचा। धीरे-धीरे बीज पौधा बना, फिर वृक्ष। वह झूमता, लहलहाता, खिलता और फलता गया। उसकी शाखाओं पर पक्षी बसेरा करने लगे, उसकी छाया में पथिक विश्राम करने लगे, उसकी डालियों पर फूल खिले और उसके फलों से असंख्य नए बीज उत्पन्न हुए। समय बीतता गया, एक दिन वह वृक्ष भी प्रकृति के नियम के अनुसार इस संसार से आत्मसंतोष के साथ विदा हो गया।

सामयिक

होली पर वास्तविक सद्भावना के रंग भरे जाएं

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक-आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है। होली प्रेम, आपसी सद्भाव और मस्ती के रंगों में सराबोर हो जाने का अनूठा त्यौहार है। यद्यपि आज के समय की गहमागहमी, मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़ से होली की परम्परा धुंधली हो रही है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तक प्रकृति हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। होली ही एक ऐसा त्योहार है, जिसके लिये मन ही नहीं, माहौल भी तत्पर रहता है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक सचेतन माहौल बनाएं, जहां हम सब एक हो और मन की गन्दी परतों को उतार फेंके ताकि अविभक्त मन के आईने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

एक तरह से देखा जाए तो यह उत्सव प्रसन्नता को मिल-बांटने का एक अपूर्व अवसर होता है। होली की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसको मनाते हुए हम समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। इस त्योहार को मनाने के पीछे की भावना है मानवीय गरिमा को समृद्धि प्रदान करना, जीवनमूल्यों की पहचान को नया आयाम प्रदत्त करना। हम कितने भोले हैं कि अपनी संस्कृति एवं आदर्श परम्पराओं को हमीं मिटा रहे हैं। स्वयं अपना घर जला कर स्वयं तमाशा बन रहे हैं। आखिर हमीं तो वे लोग हैं जिन्होंने देश की पवित्र जमीं के नीचे हिंसा, अन्याय, शोषण, आतंक, असुरक्षा, अपहरण, भ्रष्टाचार, अराजकता, अत्याचार जैसे घिनौने तत्वों की गहरी और लम्बी सुरंगें बिछाकर उन पर अपने स्वार्थों का बारूद फैला दिया बिना कोई परिणाम सोचे, बिना भविष्य की संभावनाओं को देखे। इन अंधेरों एवं जटिल हालातों के बीच होली जैसे त्योहार हमारी रोशनी की इंजतार एवं उजालों की कामना को पूरा करने के लिये हमें तत्पर करते हैं।

होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ, दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण जीवन जीये और सभी के लिय बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है।

होली के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान की जाए। स्नेह और सम्मान का, प्यार और मुहब्बत का, मैत्री और समरसता का ऐसा शमां बांधना चाहिए कि जिसकी बिसात पर मानव कुछ नया भी करने को प्रेरित हो सके। होली का त्योहार असत्य पर सत्य की विजय' और दुराचार पर सदाचार की विजय' का प्रतीक है। इस प्रकार होली का पर्व सत्य, न्याय, भक्ति और विश्वास की विजय तथा अन्याय, पाप तथा राक्षसी वृत्तियों के विनाश का भी प्रतीक है। फाल्गुन मास और होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। होली जैसे त्यौहार में जब अमीर-गरीब, छोटे-बड़े, ब्राह्मण-शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ, दुःख, चिंताएँ, द्वेष-भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई-न-कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण जीवन जीये और सभी के लिय बदलती युग-सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे-तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्म उन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं, दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई-चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरे। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

होली रंगों का निराला एवं अनूठा पर्व है और हमारा जीवन ढेर सारे रंगों का एक पिटारा है। यहां हर रंग जुदा है तो दूसरों से मिला हुआ भी। एक रंग, दूसरे से मिलकर तेजी से नया ही रंग-रूप धर लेता है। किसी एक पर अटके रहकर काम चल ही नहीं सकता। यही जीवन लीला है। पर क्या दूसरों के रंगों को अपने में समा लेना आसान होता है? रंगों को कोई तो कैनवस चाहिए ही ना! संकल्प हो तो कितने रंग खिल सकते हैं? सच यह है कि ना ही दूसरों को अपना बनाना आसान है और ना ही दूसरों का होकर रह पाना। जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा का। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है। जितने रंग प्रकृति के हैं, उतने ही हमारे हैं और प्रकृति हर पल रंग बदलती है। पुरानी पत्तियां शाख छोड़ती नहीं हैं कि नई खिलनी शुरू हो जाती हैं। पतझड़ और बसंत साथ ही चलते रहते हैं। धरती के भीतर के घुप अंधेरों को चीर कर बाहर निकला बीज, फूल, शाख, पत्तियां और फल के रंग धर लेता है। उगने, डूबने, खिलने, फैलने, मिलने, सूखने, झड़ने, चढ़ने, उतरने और खत्म होने का हर रंग प्रकृति में है और है होली के मनभावन पर्व में। पर प्रकृति हो या होली इनसे उदासीन हम, कुछ ही रंगों में सिमट जाते हैं। गिले-शिकवों, उदासी, तेरे-मेरे, क्रोध और कुंठा में ही अटक जाते हैं। नतीजा, जिंदगी में तनाव और उदासी घिरने लगती है।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से जीवन में सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेंकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, काला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए बिना किसी वास्तविकता को रचा नहीं जा सकता।' जीवन में सुख-दुख दोनों हैं। दोनों एक-दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है, राग-रंग से परे होकर स्वयं को रंगना एवं दूसरों को रंग लगाना ही होली है, होली न सिर्फ बाहर से बल्कि भीतर से रंग जाने, आध्यात्मिक एवं पवित्र हो जाने की सीख है, होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करने का अनुष्ठान है।

नजरिया

रंगों से रिश्तों में होगी नई ताजगी

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

रंगों का त्योहार होली भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो न केवल उल्लास और उमंग का प्रतीक है, बल्कि यह जीवन में नवीनता और ताजगी का संदेश भी देता है। यह त्योहार केवल रंग खेलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे संबंधों में आई दूरियों को मिटाने, कटुता को समाप्त करने और नए सिरे से रिश्तों को संवारने का अवसर भी प्रदान करता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, अहंकार, गलतफहमियाँ और संदेह कई बार हमें अपने प्रियजनों से दूर कर देते हैं, लेकिन होली हमें यह सिखाती है कि प्रेम, अपनापन और क्षमा से हर मनमुटाव का समाधान संभव है। जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तो यह हमें एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता से भर देता है। यह त्योहार हमारे रिश्तों को पुनर्जीवित करने और उनमें नवीनता लाने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

रंगों का हमारे जीवन और मनोविज्ञान पर गहरा प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक रंग का अपना अलग महत्व और प्रभाव होता है। लाल रंग प्रेम और ऊर्जा का प्रतीक है, तो पीला रंग सौहार्द और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। हरा रंग समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक होता है, जबकि नीला रंग विश्वास और गहराई को दर्शाता है। जब हम होली पर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो यह प्रतीकात्मक रूप से मन के पूर्वाग्रहों को धोने और संबंधों को एक नई दिशा देने का प्रयास होता है। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि जीवन में खुशियों के रंग तभी खिलते हैं जब हम दूसरों के प्रति दयालुता, क्षमा और प्रेम का भाव रखते हैं। होली का त्योहार यह संदेश देता है कि हम अपने मन के अंदर के नकारात्मक विचारों को दूर करके, संबंधों को मधुरता और सौहार्द के रंगों से रंग सकते हैं।

रिश्तों में खटास आना स्वाभाविक है, लेकिन इसे सुधारने का प्रयास न करना हमारे रिश्तों को और अधिक कमजोर बना देता है। होली का अवसर हमें इन दीवारों को तोड़ने और प्रेम व सौहार्द के पुल बनाने का मौका देता है। अहंकार सबसे बड़ा कारण होता है, जो हमें माफी मांगने या क्षमा करने से रोकता है। यह अहंकार धीरे-धीरे संबंधों को इतना कमजोर कर देता है कि लोग एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। होली का संदेश यही है कि हम अपने अहंकार को त्यागकर सबसे प्रेमपूर्वक मिलें। जब हम

रंगों में सराबोर होकर अपने प्रियजनों के पास जाते हैं और उन्हें रंग लगाते हैं, तो यह हमारे मन के अंदर की कठोरता और अहंकार को दूर करने का प्रतीक होता है। यह त्योहार हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम अपने पुराने गिले-शिकवे भूलकर, दिल से क्षमा मांग सकते हैं या किसी को माफ कर सकते हैं।

कई बार परिवार के सदस्यों, दोस्तों या जीवनसाथी के बीच संवादहीनता आ जाती है, जिससे गलतफहमियाँ बढ़ जाती हैं। होली का अवसर बातचीत शुरू करने के लिए आदर्श होता है। बुरा न मानो होली है का सिद्धांत अपनाकर हम उन बातों को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा कर सकते हैं, जो लंबे समय से हमारे मन में दबी हुई थीं। एक गुलाल का टीका और प्रेमभरा आलिंगन पुरानी दूरियों को मिटाने में मदद कर सकता है। संवादहीनता अक्सर छोटी-छोटी गलतफहमियों को जन्म देती है, जिससे रिश्तों में दरार आने लगती है। लेकिन होली का पर्व हमें यह सिखाता है कि हम अपने मन की गांठों को खोलें और पुनः संवाद स्थापित करें।

आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में पीढ़ियों के बीच वैचारिक अंतर बढ़ता जा रहा है। युवा और बुजुर्ग पीढ़ी के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे हल करने का प्रयास न करना संबंधों को कमजोर बना सकता है। होली एक ऐसा अवसर है जब बुजुर्ग और युवा एक साथ रंगों में सराबोर होते हैं, जिससे औपचारिकता की दीवारें टूट जाती हैं और सहज संवाद संभव हो जाता है। यह त्योहार परिवार में सामंजस्य और आपसी समझ बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। जब परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर रंग खेलते हैं, गीत गाते हैं और पारंपरिक भोजन का आनंद लेते हैं, तो इससे पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। होली का यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपनी पीढ़ीगत दूरियों को समाप्त करें और आपसी सौहार्द बढ़ाएं।

पति-पत्नी का रिश्ता बेहद संवेदनशील होता है। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे समय पर हल न करना रिश्ते को बोझिल बना सकता है। होली का त्योहार दोनों को फिर से करीब आने और अपने प्रेम को नए सिरे से अनुभव करने का मौका देता है। एक-दूसरे को रंग लगाते समय मन के सारे गिले-शिकवे धुल सकते हैं, और संबंधों में नई मिठास आ सकती है। यह त्योहार दांपत्य जीवन में प्रेम, समझ और सामंजस्य को बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। जब पति-पत्नी होली पर एक-दूसरे को रंग लगाकर गिले-शिकवे भुलाते हैं, तो यह उनके रिश्ते को और अधिक मजबूत बना देता है। कुछ दोस्ती समय के साथ खो जाती हैं या किसी छोटी-सी गलतफहमी के कारण दूरी आ जाती है। होली पर एक रंग भरी पुड़िया या स्नेहभरा संदेश पुराने दोस्तों को फिर से जोड़ सकता है। यह त्योहार हमें मित्रता का नया रंग देने का अवसर प्रदान करता है। मित्रता एक ऐसा रिश्ता होता है, जिसमें कभी-कभी छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव हो जाता है, लेकिन होली का त्योहार हमें यह सिखाता है कि हम अपने अहंकार और पूर्वाग्रह को छोड़कर मित्रता को पुनर्जीवित करें। यह त्योहार हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने पुराने दोस्तों से फिर से जुड़ें और अपनी दोस्ती में नई ताजगी लाएं।

भारतीय संस्कृति में होली को केवल रंगों का खेल नहीं माना जाता, बल्कि यह सामाजिक समरसता और सौहार्द का प्रतीक भी है। यह त्योहार जाति, धर्म, वर्ग और समाज के बंधनों को तोड़कर सभी को समानता के सूत्र में बांधता है। इस दिन राजा-रंक, अमीर-गरीब, ऊँच-नीच सभी भेदभाव भूलकर एक-दूसरे के साथ आनंद मनाते हैं। यही संदेश हमारे व्यक्तिगत रिश्तों पर भी लागू होता है-हम अपने अहं को भूलकर, अपने पूर्वाग्रहों को छोड़कर, प्रेम से मिलें और संबंधों में नवीनता लाएँ। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि हमें अपने मन के अंदर के नकारात्मक विचारों को दूर करके प्रेम, अपनापन और सौहार्द का मार्ग अपनाना चाहिए। होली के इस पावन पर्व पर हमें अपने रिश्तों को सुधारने और उनमें नई ताजगी लाने के लिए कुछ व्यावहारिक उपाय अपनाने चाहिए। सबसे पहले, हमें माफी माँगने और क्षमा करने की पहल करनी चाहिए। अगर किसी से मनमुटाव हो गया है, तो होली पर पहला कदम उठाने से न हिचकें। यह एक ऐसा दिन है जब गिले-शिकवे आसानी से भुलाए जा सकते हैं। दूसरा, हमें व्यक्तिगत मुलाकात करने का प्रयास करना चाहिए। फोन या संदेश भेजने के बजाय, जिनसे दूरी हो गई है, उनसे मिलकर होली मनाएँ। आमने-सामने मिलने से संवाद अधिक प्रभावी होता है। तीसरा, परिवार के साथ समय बिताने का प्रयास करें। होली के दौरान परिवार के साथ पारंपरिक खेल, गीत-संगीत और खानपान में भाग लें। इससे संबंधों में घनिष्ठता बढ़ती है। चौथा, उपहार और स्नेह का आदान-प्रदान करें। होली पर उपहारों और मिठाइयों का आदान-प्रदान संबंधों को पुनर्जीवित करने का एक सुंदर तरीका हो सकता है। अंततः, हमें आत्मचिंतन करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि किन कारणों से हमारे रिश्ते कमजोर पड़े हैं। स्वयं में बदलाव लाना भी रिश्तों को सुधारने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

होली का पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में रंग तभी खिलते हैं, जब हम अपने रिश्तों को प्रेम, विश्वास और क्षमा के रंगों से सजाते हैं। यह त्योहार हमें अहंकार छोड़ने, संवाद को पुनर्जीवित करने और रिश्तों को एक नई दिशा देने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोलकाता के मैदान में होली के जश्न में रंग-बिरंगे रंगों से खेलती एक महिला।

योगी ने मज़ाकिया अंदाज़ में किया कटाक्ष

बेलन की मार से बचने के लिए लोग रहते हैं अविवाहित

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को केंद्र की उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर रिफिल करने के सिलसिले में सब्सिडी के वितरण के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम में अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी और वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश कुमार खन्ना पर मज़ाकिया अंदाज़ में कटाक्ष किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा पूर्व में गैस सिलेंडर का कनेक्शन हासिल करने में होने वाली कठिनाइयों का जिक्र किए जाने की तरफ इशारा करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि कई लोग रसोई गैस खत्म होने के घरेलू नतीजों से बचने के लिए अविवाहित रहना चुनते हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अविवाहित 71 वर्षीय वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की ओर इशारा करते हुए चुटकी ली,'''खन्ना जी यहां बैठे हैं। बेचारे! उन्हें पता था कि अगर त्योहारों के दौरान मेहमान आ गए और गैस सिलेंडर खत्म हो गया, तो यह शर्मिंदगी की बात होगी। भोजन और त्योहार के व्यंजन कैसे बनेंगे? इसीलिए लोग चिंता में रहते थे।'' आदित्यनाथ ने कहा, ''पहले, स्थिति ऐसी थी कि गैस कनेक्शन या सिलेंडर मिलना लगभग असंभव था। बहुत से लोग जानते थे कि उन्हें गैस कनेक्शन नहीं मिलेगा और घर पर उन्हें बेलन से पीटा जाएगा। इसलिए, कुछ लोगों ने शादी ही नहीं करने का फैसला किया।''

अपने व्यंग्य को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने याद किया कि कैसे गैस सिलेंडर की व्यवस्था करने के लिए बाहर जाने वाले लोगों को या तो राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करने पर पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ता था या घर पर डांट खानी पड़ती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा,''अगर आप नेता की तरह काम करने और सिलेंडर लेने की कोशिश करते थे, तो पुलिस आपको डंडों से पीटती थी। अगर ऐसा नहीं होता, तो आपको घर पर डांट पड़ती थी।'' उन्होंने कहा कि दोनों से बचने के लिए कुछ लोग अविवाहित ही रहे।

नौ बार विधायक रहे और वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में वित्त और संसदीय मामलों के मंत्री खन्ना इस टिप्पणी पर अपनी हंसी रोक नहीं पाये और कार्यक्रम में मौजूद बाकी लोग भी हंस पड़े।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को कार्यक्रम के दौरान उज्ज्वला योजना के तहत 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को सब्सिडी देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत 1,890 करोड़ रुपए सब्सिडी के रूप में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे गए। यहां मुख्यमंत्री ने 10 महिला लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। उन्होंने कहा,''पहले गैस कनेक्शन रिश्वत देकर मिलता था, अब यह मुफ्त में मिल रहा है, होली और दिवाली पर सिलेंडर भी मुफ्त है।''

भीड़

पटना रेलवे स्टेशन पर होली के त्यौहार से पहले भारी भीड़ के बीच यात्री ट्रेन में चढ़ते हुए।

मोदी दुनिया के अभूतपूर्व नेता के रूप में उभरे, 21 देशों ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि 21 देशों ने अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है, जिससे यह साबित होता है कि वह दुनिया के एक 'अभूतपूर्व नेता' के रूप में उभरे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रांड कमांडर ऑफ ऑर्डर ऑफ स्टार एंड की ऑफ इंडियन ओशन' से सम्मानित किया गया जिसे उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अब तक 21 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है, जो दुनिया में एक अभूतपूर्व नेता के रूप में उभरे हैं। हाल ही में बारबाडोस ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया था।'' उन्होंने कहा कि इन 21 देशों में रूस, फ्रांस, अमेरिका और नौ मुस्लिम देश शामिल हैं। त्रिवेदी ने कहा, ''इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया के विभिन्न देशों के साथ हमारे संबंध आर्थिक, सैन्य या कूटनीतिक पहलुओं के उपयोगिता कारक से आगे निकल गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब हम एक अलग स्तर पर पहुंच गए हैं जहां विभिन्न देश भारत के प्रति बेहद सकारात्मक, भावनात्मक जुड़ाव और सम्मान महसूस कर रहे हैं।''

भाजपा नेता ने कहा कि यह देश के 140 करोड़ लोगों के लिए गर्व का विषय है।

त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को 2018 में संयुक्त राष्ट्र चैंपियंस ऑफ अर्थ पुरस्कार और सियोल शांति पुरस्कार सहित कई अन्य अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। उन्होंने कहा, ''विश्व बंधुत्व की हमारी शाश्वत अवधारणा में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का इस तरह नेतृत्व किया है कि पूरी दुनिया भारत को 'विश्व मित्र' के रूप में देख रही है।'' त्रिवेदी ने कहा, ''यह हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम न केवल दुनिया के लिए आशा की किरण और विश्व के विकास इंजन के चालक बन रहे हैं, बल्कि अधिकतर देशों के लिए आकर्षण का एक स्नेही बिंदु भी बन रहे हैं।''

कांग्रेस चुनाव के लिए काम करती है, मोदी लोगों की भूख मिटाने के लिए : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस जो भी करती है सिर्फ चुनाव के लिए करती है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार लोगों की भूख मिटाने के लिए काम करती है।

जोशी ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य प्रणीति शिंदे के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना को पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में लाया गया था और यह पार्टी नेता सोनिया गांधी की सोच पर आधारित थी। उन्होंने महाराष्ट्र में इस योजना के तहत पिछले दस साल से राशन नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए पूछा कि जिन बीड़ी कामगार, किसानों आदि के हाथ में छाले आदि होने की वजह से बायोमेट्रिक पंजीकरण नहीं हो पाता, क्या उन्हें ऑफलाइन तरीके से राशन देने का कोई प्रावधान है?

जोशी ने कहा, ''2013 में तत्कालीन संप्रग सरकार ने चुनाव आने के कारण हड़बड़ी में खाद्य सुरक्षा कानून पारित किया था, लेकिन इसके नियम भी नहीं बनाए थे और एक भी राज्य उसमें जोड़ा नहीं गया था।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद इस योजना में राज्यों को जोड़ा गया। यह सरकार 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है। कांग्रेस केवल चुनाव के लिए ऐसा करती है। ये लोग जो भी करते हैं सिर्फ और सिर्फ चुनाव के लिए करते है। मोदी जी लोगों की भूख मिटाने के लिए काम करते हैं।'' उन्होंने ई-श्रम पोर्टल से संबंधित एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार राज्यों से इसके तहत पंजीकरण कराने को कहा गया है और ई-केवाईसी किया जा रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जोशी से कहा, ''राज्य सरकारें ई-श्रम पोर्टल पर दिशानिर्देशों का अनुकरण नहीं कर रही हैं। आप उन्हें दोबारा दिशानिर्देश दें।''

मैं ऐश्वर्या राय बच्चन को अपना आदर्श मानती हूं: विप्रा मेहता

मुंबई/भाषा। 'लीवा मिस दिवा कॉस्मो- 2024' प्रतियोगिता का खिताब जीतने वाली विप्रा मेहता ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि अगर वह कभी बॉलीवुड में कदम रखेंगी तो पूर्व 'मिस वर्ल्ड' ऐश्वर्या राय बच्चन के नक्शेकदम पर चलना चाहेंगी।

राजस्थान के उदयपुर की निवासी मेहता ने पिछले सप्ताह 'लीवा मिस दिवा 2024' के फाइनल में यह खिताब जीता था और वह पहले से ही सात राजस्थानी फिल्मों और दो धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं।

मेहता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ऐश्वर्या राय एक ऐसी शख्सियत हैं, जिन्हें मैं अपना आदर्श मानती हूं...1994 में 'मिस वर्ल्ड' का खिताब जीतने के बाद जब उन्होंने बोलना शुरू किया तो उनके चेहरे पर शालीनता और संतुलन था।

फिल्म 'जाट' का नया टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल की आने वाली फिल्म जाट का नया टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म 'जाट' के निर्माताओं ने इस फिल्म का नया टीज़र रिलीज किया है, जिसमें सनी देओल धमाकेदार एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। एक्शन से भरे सीन में सनी देओल और रणदीप हुड्डा के बीच जबरदस्त मुकाबला नजर आया। सनी देओल ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर टीज़र वीडियो शेयर किया।

एक्शन के बीच वह चिल्लाकर कहते हैं ,मैं जाट हूं। टीज़र शेयर करते हुए सनी ने कैप्शन में लिखा, बॉक्स ऑफिस पर 'जाट' के वर्चस्व के लिए 30 दिन बाकी हैं। इस बैसाखी पर सिनेमाघरों में आपका मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पूर्व सोमवार को रणदीप हुड्डा ने फिल्म जाट से अपने खतरनाक किरदार 'रणतुंगा' की झलक दिखाई थी।

गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस को अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने शानदार ढंग से तैयार किया है।थमन एस का जोशीला संगीत और ऋषि पंजाबी की शानदार सिनेमैटोग्राफी फिल्म के अनुभव को और बेहतर बनाती है। नवीन नूली ने संपादन और अविनाश कोल्ला ने प्रोडक्शन डिज़ाइन किया है। फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज होगी।

सोनी लिव ने रिलीज किया 'चमक 2 : द कंक्लूज़न' का ट्रेलर

मुंबई/एजेन्सी

सोनी लिव की बहुप्रतीक्षित सीरीज़ 'चमक 2 : द कंक्लूज़न' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'चमक 2 : द कंक्लूज़न' को रोहित जुगराज ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि इसे गीतांजलि महेलवा चौहान, रोहित जुगराज और सुमीत दुबे ने प्रोड्यूस किया है। इस सीरीज में कई बेहतरीन कलाकार नजर आएंगे, जिनमें परमवीर सिंह चीमा, मनोज पाहवा, मोहित मलिक, ईशा तलवार, मुकेश छाबड़ा, प्रिंस कंवलजीत सिंह, सुविंदर (विकी) पाल और अकासा सिंह शामिल हैं। इसके अलावा, पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार गिप्पी ग्रेवाल भी एक खास भूमिका में नजर आएंगे। रोहित जुगराज ने कहा, संगीत हमेशा से 'चमक' की जान रहा है, लेकिन इस बार यह काला की बदले की कहानी का हिस्सा बन गया है। हर धुन, हर गीत और हर ताल उसके दर्द, गुस्से और इरादे को और मजबूत बना देता है। यह सीजन सिर्फ बदले की कहानी नहीं, बल्कि संगीत और हिम्मत के जरिए न्याय पाने की जंग है। 'चमक 2: द कंक्लूज़न', चार अप्रैल से सिर्फ़ सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा।

होली

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बुधवार को पटना में रंगों से सराबोर होली मनाते हुए।

गुरु रंधावा ने किया 'शौंकी सरदार' का टीज़र रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अपने चार्टबस्टर गानों और एलबम्स के लिए मशहूर गुरु रंधावा अब अपने फैंस के लिए एक जबरदस्त पंजाबी एक्शन से भरपूर फिल्म 'शौंकी सरदार' लेकर आ रहे हैं। फैंस के लिए एक खास तोहफे के रूप में, गुरु रंधावा ने इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का टीज़र जारी कर दिया है, जो हाई-ऑक्टेन एक्शन, दमदार ड्रामा और जबरदस्त एनर्जी से भरपूर है। टीज़र में गुरु रंधावा के अब तक न देखे गए अवतार की झलक मिलती है, जहां वह एक निडर और अजेय नायक के रूप में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंसेज़ में नजर आ रहे हैं। हाथों-हाथ लड़ाई से लेकर जबरदस्त चेज़ सीन्स तक, गुरु की दमदार उपस्थिति और पंजाबी अंदाज़ की ऊर्जावान पृष्ठभूमि 'शौंकी सरदार' को एक मस्ट-वॉच फिल्म बनाती है। 'शौंकी सरदार' में गुरु रंधावा के साथ बाब्बू मान, गुग्गू गिल और निमृत कौर की भी अहम भूमिका होगी।जहां दर्शक गुरु रंधावा की शानदार स्क्रीन प्रेजेंस देखने के लिए उत्साहित हैं, वहीं वे उनके सह-कलाकारों के साथ उनकी केमिस्ट्री और ब्रॉमांस को लेकर भी काफी रोमांचित हैं। गुरु रंधावा ने खुद को एक म्यूजिक सेंसेशन के रूप में स्थापित किया है, लेकिन उनकी एक्टिंग की ओर यह नई पारी फैंस के लिए बेहद दिलचस्प है। टीज़र में गुरु रंधावा के इस रफ एंड टफ लुक की झलक मिलती है, जिसे एक्शन, इमोशंस और पंजाबी फ्लेवर से भरपूर कहानी का समर्थन मिला है।

धीरज केदारनाथ रत्तन निर्देशित 'शौंकी सरदार' का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मिंदर बतौली ने किया है। टीज़र से साफ है कि यह फिल्म एक जबरदस्त विज़ुअल स्पेक्टेकल साबित होगी, जिसमें एक्शन, ड्रामा और एक अनूठी कहानी के साथ पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी। इसी के साथ, 'शौंकी सरदार' 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्म निर्माता और टेलीविजन निर्देशक एकता कपूर बुधवार को मुंबई के एयरपोर्ट पर पहुँचीं।

मैं संजय लीला भंसाली और रोहित शेट्टी के साथ काम करना चाहूंगी : आयुश्री मलिक

मुंबई/भाषा

'लीवा मिस दिवा सुपरनेशनल' 2024 का खिताब अपने नाम करने वाली आयुश्री मलिक ने कहा कि यह पुरस्कार जीतने से उन्हें बॉलीवुड में कदम रखने का मौका मिला है। आयुश्री मलिक ने भविष्य में फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली और रोहित शेट्टी के साथ काम करने की इच्छा जताई। दिल्ली में जन्मी मलिक ने पिछले सप्ताह मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में यह खिताब जीता था। मलिक ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं इस बात से इनकार नहीं करूंगी कि मैं सचमुच सौभाग्यशाली हूं, क्योंकि बहुत से युवाओं को यह प्रतियोगिता जीतने के बाद भी बॉलीवुड में आने का मौका नहीं मिलता...मैं संजय लीला भंसाली सर की फिल्म में काम कर शुरुआत करना चाहूंगी क्योंकि वह अपने काम में महान हैं।'' उन्होंने कहा, '' अगर एक भारतीय के तौर पर मुझे उनकी फिल्म में काम करने और अपनी संस्कृति को दर्शाने का मौका मिलता है तो मुझे यकीन है कि यह लोगों का दिल जीत लेगा।'' उन्होंने कहा, ''दूसरा, मैं रोहित शेट्टी का नाम लूंगी क्योंकि उनकी फिल्मों में बहुत एक्शन होता है और मैं वास्तव में एक सुपरवुमेन किस्म की अभिनेत्री बनना चाहती हूं जो लड़ाई भी कर सके। मैं सभी निर्देशकों के साथ काम करने के लिए तैयार हूं क्योंकि सभी बहुत कुछ नया लेकर आते हैं।'' आयुश्री मलिक ने इस प्रतियोगिता के कुछ विजेताओं का भी जिक्र किया, जिन्हें वह पसंद करती हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के आदिनाथ जैन श्वेताबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम द्वारा शंकरपुरम में निर्मित केसरिया आदिनाथजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथ प्रतिमा के प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी व श्रुतोपासकश्री रत्नसंचयसूरीश्वरजी के सान्निध्य में भव्य जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया।

‘अयोध्या नगरी’ में प्रभु केसरिया आदिनाथ के जन्म महोत्सव पर मनाया गया उत्सव

■ शंकरपुरम के जैन मंदिर में प्रभु जन्म के विधान में उमड़े श्रद्धालु ■ विभिन्न लाभार्थियों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम द्वारा शंकरपुरम में निर्मित केसरिया आदिनाथजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथ प्रतिमा के प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी व श्रुतोपासकश्री रत्नसंचयसूरीश्वरजी के सान्निध्य में भव्य जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया। बुधवार को संतों के सान्निध्य में प्रभु केसरिया आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक की अद्भुत क्रियाएं एवं विधि-विधान संपन्न हुए। प्रभु के जन्म की शुभ वेला में मंदिर प्रांगण में मंत्रोच्चारण, मंगलध्वनि और जैनम जयति शासनम् के जयकारों से गूंज रही। प्रभु जन्म महोत्सव की अनुपम छटा सभी श्रद्धालुओं के हृदय को भाव-विभोर कर गई। सुबह 9:30 बजे से प्रभु जन्म कल्याणक की उच्चारणी, 56 दिक्ककुमारियाँ, इन्द्र-इन्द्राणी महोत्सव सहित मंचीय कार्यक्रम हुए तथा अयोध्या नगरी तक रथयात्रा निकाली गई। मेरु पर्वत पर 108 इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा विशेष अभिषेक एवं 18 अभिषेक, ध्वज-दंड-कलश विधान आयोजित किए गए। स्टेज प्रोग्राम में माता मरुदेवी द्वारा 14 स्वप्न दर्शन, प्रभु का जन्म,

इन्द्र इन्द्राणी द्वारा जन्माभिषेक, देवलोक से देवताओं का आगमन, मंगल गीत एवं नृत्य, रजत रथ में प्रभु की सवारी का अनुपम दृश्य बहुत ही मनोहारी था। जन्म कल्याणक की रजत रथयात्रा, बालिकाओं द्वारा स्वागत, नृत्य, भजन आदि कार्यक्रम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने। अयोध्या नगरी में प्रभु के आगमन पर चारों ओर ’आओ दादा, पधारो दादा’ की गूंज वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण कर रही थी। देव लोक, इन्द्र-इन्द्राणी सहित अयोध्या नगरी में जन्म महोत्सव का उत्सव मनाया गया। दोपहर में प्रतिमा भरण करने वाले लाभार्थी परिवारों द्वारा 18 अभिषेक, झंडा, ध्वज, कलश सहित प्रभु की पूजा अर्चना की गई।

सुबह के नाश्ते के लाभार्थी मिश्रीबाई हेमराज पावेछा परिवार तथा सुबह व शाम की नवकारसी के लाभार्थियों का संघ द्वारा सम्मान किया गया। भक्ति संध्या में गायक राजीव विजयवर्गीय द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई।

इस मौके पर जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने शिरकत की तथा उन्होंने 9 अप्रैल को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय नवकार मंत्र दिवस में सभी को भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतिष्ठा महोत्सव के आयोजन की सराहना की। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित थे।

‘जीतो साउथ’ ने बिजनेस नेटवर्क मेंबर्स कनेक्ट 4.0’ कार्यक्रम आयोजित किया

बिजनेस सिनर्जी के दूसरे संस्करण में शामिल हुए 50 सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ व जीतो बिजनेस नेटवर्क के तत्वावधान में मेंबर्स कनेक्ट 4.0 - बिजनेस सिनर्जी’ कार्यक्रम के चौथे संस्करण का आयोजन किया गया जिसमें सदस्यों के बीच अर्थपूर्ण संबंधों और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक माइक्रो बैठक आयोजित हुई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चैप्टर के 880 सदस्यों तक पहुंचना व बेहतर नेटवर्किंग सुविधा प्रदान करना है। जीतो साऊथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कार्यक्रम में सबका स्वागत करते हुए जीतो की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीतो फाउंडेशन डे और ग्रो 10एक्स विद वर्क-लाइफ बैलेंस 23 मार्च को, विश्व नवकार दिवस 9 अप्रैल को, महावीर जयंती 10 अप्रैल को, और जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 1 मई से जेआईएसआर, कनकपुरा में आयोजित होंगे। सचिव प्रतीक गांधी ने बैठक के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि सदस्यों के व्यवसाय को समझना और व्यवसायिक संबंधों को बढ़ावा देना इसका मुख्य मुद्दा है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जीतो इनक्यूबेशन व इनोवेशन फाउंडेशन (जेआईआईएफ) जीतो अपेक्स के उप चेयरमैन भरत ओसवाल ने जेआईआईएफ के माध्यम से पिचिंग और निवेश के बारे में सारगर्भित संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि जेआईआईएफ एक मंच के रूप में कार्य करता है जो जीतो इकोसिस्टम के भीतर स्टार्टअप्स, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए निवेश और फंडिंग अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेआईआईएफ निवेशकों और उद्यमियों के बीच सूत्र का कार्य करता है। उन्होंने उपस्थित उद्यमियों को अपने आइडिया के प्रस्तुतिकरण, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, मजबूत वित्तीय अनुमान आदि पर विशेष ध्यान देने की बात कही। जीतो एपेक्स के सचिव श्रीपाल बच्छावत ने व्यापार संचार में सुधार और जीतो एपेक्स में नवीनतम विकास पर प्रौद्योगिकी विशेष प्रभाव डालती है।

आज की तेजी से बदलती दुनिया में प्रभावी संचार के महत्व को रेखांकित करते हुए, बच्छावत ने कहा कि प्रौद्योगिकी व्यापार में आई कमियों व अंतराल को पाट सकती है। उन्होंने जीतो अपेक्स में नवीनतम विकास पर अपडेट साझा किए, जिसमें डिजिटल परिवर्तन की पहल, प्रमुख कार्यक्रम और उद्यमिता, नेतृत्व और समुदाय विकास पर केंद्रित आगामी कार्यक्रम शामिल हैं।

कार्यक्रम में जीतो साउथ के उपचेयरमैन महेंद्र जियानी व महेंद्र रांका, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सह कोषाध्यक्ष कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया, परियोजना संयोजक मनीष गुलेच्छा और प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे। महावीर भंसाली ने उपस्थित 50 सदस्यों को धन्यवाद दिया

अध्यक्ष : गोपाल कुमार अग्रवाल

सचिव : सन्नी जैन

कोषाध्यक्ष : विवेक खंडेलवाल

गोपाल बने ‘मायुम’ के अध्यक्ष, सनी बने सचिव

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच (मायुम) बेंगलूरु शाखा की सत्र की आखिरी बैठक एक होटल में आयोजित हुई जिसमें वर्ष 2025-26 के लिए नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई। इस कार्यकारिणी बैठक में सलाहकार समिति में मायुम के पूर्व अध्यक्ष बिकास पोद्दार, पंकज जालान और अन्य सदस्य शामिल हुए। बैठक की शुरुआत में वर्तमान अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी का स्वागत किया और अपने कार्यकाल में सहयोग देने के लिए सबको धन्यवाद दिया। सचिव शुभम लोहिया ने वर्ष भर की गतिविधियों के जानकारी के साथ मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। बैठक में चुनाव अधिकारी और पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी ने नए सत्र के पदाधिकारियों की घोषणा की जिसमें गोपालकुमार अग्रवाल को अध्यक्ष, सनी जैन को सचिव व विवेक खंडेलवाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

प्रभु महावीर स्वामी ने मानव को मानवता का पाठ पढ़ाया : मुनिश्री पद्मचन्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में डा. मुनिश्री पदमचंद्रजी ने कहा कि धर्म भाव प्रधान होता है। बाहरी क्रियाओं से ज्यादा भाव महत्व रखते हैं। हम त्वरित प्रतिक्रिया से बचें। काल के प्रभाव से चर्या में समय समय पर बदलाव होते आए हैं और प्रति व्यक्ति की क्षमता भी भिन्न भिन्न होती है।

मुनिश्री पदमचंद्रजी ने कहा कि प्रभु भगवान महावीर के समय समाज में नारी और पशु पर अत्याचार होता था, दास दासी को संपदा माना जाता था और समाज बंटा हुआ था, पर प्रभु महावीर स्वामी ने अपनी देशना से मानव को मानवता का पाठ पढ़ाया। भगवान महावीर ने कहा कि हमें किसी को अपनी नजर से तौलने का अधिकार नहीं है। आज अल्प ज्ञान के कारण राग द्वेष फैल रहा है और आपस में टकराहट बढ़ रही है। द्रव्य, क्षेत्र, काल और भाव के प्रभाव में साधु चर्या में उतार चढ़ाव आ सकते हैं। हमें गुण दृष्टि रखनी चाहिए। दोष देखने वाले अपना ही नुकसान कर लेते हैं। दोष देखना है तो अपने देखे।

संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि होली चातुर्मास पर्व पर गुरुवार को मुदलियार संघ कन्वेंशन हाल में मुमुक्षु का अभिनंदन होगा और आचार्यश्री जयगच्छ साधु साध्वियों के चातुर्मास स्थल की घोषणा करेंगे। संघ अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने स्वागत किया।

धर्म का आचरण ही आत्मा की खुराक है : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में श्री विनयमुनिजी ‘खींचन’ ने बुधवार को होली चातुर्मासिक आराधना में अपने प्रवचन में कहा कि जैसे आहार शरीर चलाने के लिए ज़रूरी होता है वैसे ही आत्मा की खुराक है ज्ञान, दर्शन, चारित्र रूप धर्म का सद्आचरण। एक हमारी आत्मा ही सदा शाश्वत, अनंत शक्तिमान है। अतः हमें इस नाशवान शरीर से मोह आसक्ति भाव को कम करते हुए आत्मा के शाश्वत स्थान परम पद मुक्ति मोक्ष की आराधना करनी चाहिए। धर्म के आचरण से जिस फल की प्राप्ति होती है, वह फल कामधेनु गाय, कल्पवृक्ष या चिन्तामणि रत्न से भी नहीं मिल सकता। वह फल थोड़े समय के लिए भी पूर्णसिद्धि नहीं देता, जबकि धर्म सेवन से मिलने वाला मोक्ष रूप फल चिरकाल, स्थायी और पूर्ण सुखदाता है। मुनिश्री ने श्रावक के बारह व्रतों के बारे में संक्षिप्त व्याख्या करते हुए गुरुवार को चौमासी पक्खी महापर्व पर सभी श्रद्धालुओं को ज्यादा से ज्यादा धर्म स्थान में आकर जिनवाणी श्रवण, सामायिक व्रत, पौषध, संवर, उपवास, प्रतिक्रमण साधना, दया, त्याग, तपस्या करने की प्रेरणा दी।

आईवीएफ की महिलाओं ने ‘मोहे रंग दे’ होली कार्यक्रम में दी प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन (आईवीएफ) कर्नाटक की महिला विंग द्वारा होली के उपलक्ष्य में ’मोहे रंग दे-होली संग सहेली’ का विशेष आयोजन किया गया। आईवीएफ के सहमंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि महिलाओं को सांस्कृतिक सशक्तिकरण की नई पहल के अंतर्गत नृत्य एवं संगीत को नई ऊंचाई प्रदान करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महिला अध्यक्षा रितु अग्रवाल ने बताया कि सूरत की नृत्यांगना रितु गुप्ता से 200 से अधिक महिलाओं ने नृत्य की बारीकियों को सीखा। होली के उपलक्ष्य में फूलों से होली खेली गई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आर पी रविशंकर, बिपिनराम अग्रवाल, नीरज बंसल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। महिला विंग की सचिव पूजा, मुख्य सलाहकार सोनू अग्रवाल, अनिता जिंदल और स्वाति गुप्ता ने व्यवस्था संभाली।

कार्यक्रम के प्रायोजकों का सम्मान किया गया। अंत में सचिव पूजा ने धन्यवाद दिया।

क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशने के लिए शुरू की गई ‘श्याम प्रीमियर लीग’

▶ खाटू के लक्खी मेले में क्रिकेट प्रतियोगिता का ‘लोगो’ हुआ लॉंच
▶ बेंगलूरु के श्याम-स्टे ग्रुप ने शुरू की यह नई पहल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर में अन्य शहरों से आकर शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से रहने वाले युवा वर्ग की सुविधा के लिए पीजी और हैप्पी स्टे क्षेत्र में विशेष सुविधाएं देकर अपनी विशेष साख बनाने वाले श्याम स्टे’ के निदेशक बिमल लोहिया ने एक बार फिर युवा वर्ग के लिए श्याम प्रीमियर लीग लाकर कुछ नया करने का प्रयास किया है। बिमल लोहिया ने इस बार बिना किसी जाति संप्रदाय के भेदभाव के, समाज की युवा क्रिकेट प्रतिभा को तराशने के उद्देश्य से गत दिनों खाटू श्याम के लक्खी मेले के दौरान खाटू में श्याम प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के लोगो’ का लांच किया। होटल खाटू में श्याम-स्टे ग्रुप के हितैषी कैलाश पुजारी, पवन पुजारी, इन्दर सिंघवी ने बिमल लोहिया, मुकेश जिन्दल, रवि खरोलिया आदि की उपस्थिति में श्याम प्रीमियर लीग’ का लोगो जारी किया।

बिमल लोहिया के पुत्र व श्याम स्टे के निदेशक गगन लोहिया, जो गत 1% वर्ष से क्रिकेट खेल रहे हैं और विभिन्न स्तर पर क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग ले चुके हैं, यह नई पहल उनकी सोच का नतीजा है। गगन ने बताया कि इस लीग की शुरुआत करने के पीछे उनका मुख्य उद्देश्य है कि क्रिकेट खेल को बड़े शहरों से निकालकर छोटे छोटे गांव तक पहुंचाना है ताकि ग्रामीण व ग्राम स्तर से समाज की क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशा जाए और उन्हें रणजी ट्रॉफी, आईपीएल, टी-20, वर्ल्ड क्रिकेट कप आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिल सके। उन्होंने बताया कि श्याम स्टे ग्रुप क्रिकेट में रुचि रखने वाले युवाओं को हर स्तर का प्रशिक्षण, अभ्यास, आवास, निवास व रोजगार का सहयोग देकर उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाने की हर संभव कोशिश करेगा। बिमल लोहिया ने आशा व्यक्त की कि उनका समूह इस कोशिश में लगा है कि श्याम प्रीमियर लीग के माध्यम से चयनीत हुए युवा देश की बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता में खेलेंगे। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही श्याम प्रीमियर लीग की क्रिकेट स्पर्धाएं शुरू हो जाएगी जिसमें विभिन्न खिलाड़ी टीम के माध्यम से भाग ले सकते हैं।

जीतो अपेक्स के चेयरमैन ने साध्वीश्री संयमलता के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के दर्शनार्थ जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी, तेजराज गुलेच्छा, रमेश हरण, श्रीपाल बच्छावत, नरेंद्र सामर, रणजीत सोलंकी, विमल कटारिया, विजय सिंघवी, महेंद्र रांका, सतीश पोरवाड़, दिनेश खिंवेसरा,राकेश पोखरना, रमेश दक, अशोक भंडारी, भरत रांका, जीतो महिला विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, सुनीता गांधी आदि उपस्थित हुए।

पृथ्वीराज कोठारी ने 9 अप्रैल को होने वाले विश्व नवकार दिवस की जानकारी दी और कहा कि इस दिन सम्पूर्ण विश्व में 180 देशों में एक साथ एक ही समय 8.01 बजे से मानव कल्याण हेतु नवकार मंत्र के जाप का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने सभी उपस्थितजनों को नवकार जाप में शामिल होने का आह्वान किया। तेजराज गुलेच्छा ने जीतो की आगे की योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी अतिथियों को जैन पट्ट पहना कर स्वागत किया। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष विनय बैद, प्रकाश कटारिया, प्रकाश बाबेल, युवक परिषद के अध्यक्ष विमल धारीवाल, अशोक श्रीश्रीमाल, रूपचंद देसरला, किशोर दुगड़ आदि उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com